आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 15 अंक-97 कटनी ● सोमवार, 10 मई, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● वैशाख कृष्ण पक्ष -14 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

आईआईटीयन बेच रहा सब्जी

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के ब्रह्मपुर चौराहे पर ठेले पर सब्जी बेचते सामान्य कद काठी के एक युवक को देखकर आप कल्पना नहीं कर सकते कि वे ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट-2020) में ऑल इंडिया104वीं रैंक हासिल करने वाले रामगोपाल कश्यप हैं। ब्रह्मपुर के रहने वाल रामगोपाल इन दिनों यह काम अपने बीमार पिता की मदद करने के लिए कर रहे हैं।

वैक्सीन पर जीएसटी जारी रहेगी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोविड टीका, दवाओं और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) हटाने पर कहा कि इसके हटने से ये जीवन रक्षक दवाएं और सामान खरीदारों के लिए महंगे हो जाएंगे। इसका कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि जीएसटी हटने पर इनके विनिर्माताओं को उत्पादन में प्रयोग किए गए कच्चे/मध्यवर्ती माल व सामग्री पर चुकाए गए कर के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ नहीं मिल पाएगा।

कोरोना कर्फ्यू की नई बंदिशें

नई दिल्ली। देश में कोरोना की रफ्तार पर ब्रेक लगाने के लिए हर संभव कोशिश जारी है। कई राज्यों ने अपने यहां लॉकडाउन और कर्फ्यू का सहारा लिया है ताकि कोरोना की चेन को तोड़ा जा सके। सोमवार से दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा में एक हफ्ते के लिए बढ़ा लॉकडाउन लागू हो गया। कुल मिलकार देश के 16 राज्यों में पाबंदियां लगी हैं। वहीं तमिलनाडु, राजस्थान और पुडुचेरी में आज से दो हफ्ते का लॉकडाउन लागू हो गया है। इस दौरान दवा और आवश्यक सामान की दुकानें खुलेंगी और अनिवार्य सेवाएं चलती रहेंगी। आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े उत्तर प्रदेश में पहले वीकेंड लाकडाउन लगाया गया। उसके बाद उसे 10 मई तक कोरोना कर्फ्यू में बदल दिया गया। अब इस कोरोना कर्फ्यू को 17 मई तक बढ़ा दिया गया है। राज्य सरकार का कहना है कि इससे कोरोना के प्रसार को रोकने में मदद मिली है। कर्फ्यू और सख्त पाबंदियों में लोगों के घर से निकलने पर रोक है।

जबलपुर आये सीएम बोले-मुझे लेने न आएं

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर प्रवास से पहले कमिश्नर, कलेक्टर और एसपी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे उन्हें एयरपोर्ट पर लेने और छोड़ने ना आएं। सीएम ने ट्वीट कर कहा है कि हम निर्धारित बैठकों में मिलकर कोविड 19 संक्रमण की स्थितियों पर चर्चा करेंगे। बैठकों के दौरान भी कोविड 19 की गाइडलाइंस का पालन सुनिश्चित हो।

राज्यों में अब सख्ती बढ़ेगी

- हिमाचल प्रदेश में सात से 16 मई तक लाकडाउन
- बिहार में चार मई से 15 मई तक लाकडाउन लागू
- झारखंड में 13 मई तक लाकडाउन जैसी पाबंदियां
- छत्तीसगढ़ ने 15 मई तक वीकेंड लाकडाउन
- पंजाब में 15 मई तक वीकेंड लाकडाउन रात का कर्फ्यू
- मध्य प्रदेश में 15 मई तक जनता कर्फ्यू
- ओडिशा में पांच मई से 14 दिनों का लाकडाउन
- गुजरात के 36 शहरों में 12 मई तक रात का कर्फ्यू
- कर्नाटक में 10-24 मई तक लाकडाउन जैसी पाबंदियां
- महाराष्ट्र में पांच अप्रैल से 15 मई तक सख्त पाबंदियां
- गोवा में नौ मई से 15 दिनों का कर्फ्यू
- केरल में आठ से 16 मई तक संपूर्ण लाकडाउन
- आंध्र प्रदेश में 6 मई से दो हफ्ते के लिएआंशिक लाकडाउन
- तेलंगाना में 15 मई तक रात का कर्फ्यू
- मिजोरम में 10-17 मई तक पूर्ण लाकडाउन
- मणिपुर के सात जिलों में आठ से 17 मई तक कर्फ्यू

क्विक अपडेट

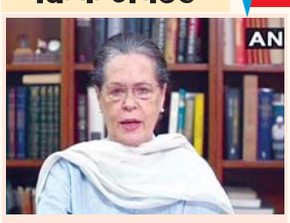

सोनिया का तंज, बोलीं- वास्तविकता नहीं देखेंगे तो सबक कैसे सीखेंगे

नई दिल्ली। सोमवार को दिल्ली के कांग्रेस अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई। इस बैठक में देश में कोरोना के व्यापक प्रसार को लेकर चर्चा की गई। इसके अलावा हाल ही में हुए पांच राज्यों के चुनाव नतीजों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर सोनिया गांधी ने निराशा जताई। सोनिया गांधी ने बैठक में कहा कि पिछले चार हफ्तों में कोरोना वायरस की स्थिति काफी भयावह हुई है। वहीं शासन की विफलताएं और भी कठिन हो गई हैं। सोनिया गांधी ने कहा कि वैज्ञानिकों की सलाह को पूरी तरह नकारा गया और यह देश मोदी सरकार की गलती की भारी कीमत चुका रहा है।

कोरोना से बच्चों को बचाने के लिए मध्य प्रदेश में बनेंगे आइसीयू

भोपाल। कोरोना की तीसरी लहर से बचने के लिए राज्य सरकार ने रूपरेखा तैयार कर ली है। इसमें नवजात और बच्चों को संक्रमण से बचाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रदेश में इनके लिए मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में आइसीयू वाले 360 बिस्तर तैयार किए जाएंगे। इसी कड़ी में भोपाल के हमीदिया अस्पताल में 50 बिस्तर का बच्चों का आइसीयू तैयार किया जाएगा। यह जानकारी चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग द्वारा ली गई बैठक में दी गई। सारंग रविवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के 13 मेडिकल कॉलेज एवं उनके कोविड अस्पतालों के चिकित्सकों आला अधिकारियों के साथ चर्चा कर रहे थे।

बर्खास्त निरीक्षक भी पदोन्नति की राह पर

भोपाल। पुलिस मुख्यालय ने कार्यवाहक डीएसपी के लिए जिन निरीक्षकों की गोपनीय रिपोर्ट मांगी उनमें से कई बर्खास्त हो चुके हैं। कुछ जेल में हैं और कुछ पूर्व में ही डीएसपी के लिए चयनित कर लिए गए। यह खुलासा चयनित निरीक्षकों की सूची सार्वजनिक होने पर हुआ है। सूची में लगभग 40 निरीक्षक इंदौर में पदस्थ हैं जिन्हें पदोन्नति का इंतजार है।

4 दिन बाद राहत की खबर

सोमवार को कोरोना संक्रमण के मामलों और मौतों में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। देश कोरोना वायरस की दूसरी लहर का प्रकोप जारी है। चार दिन बाद आज यानी सोमवार को कोरोना संक्रमण के मामलों और कोविड से होने वाली मौतों में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। देश में बीते 24 घंटे में 3.66 लाख से अधिक नए कोरोना मरीज मिले हैं और 3,754 लोगों की जान चली गई है। इससे पहले, पिछले चार दिनों से लगातार हर रोज 4 लाख से ज्यादा नए कोरोना मरीज मिल रहे थे। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के चलते देश भर में हाहाकार मचा हुआ है। लगातार बढ़ते कोरोना मरीजों की वजह से देश भर के अस्पतालों में बेड, वेंटिलेटर, रेमडेसिविर और ऑक्सीजन की भारी किल्लत जारी है। श्मशान घाटों पर शवों के अंतिम संस्कार के लिए कई घंटों का इंतजार करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में बीते 24 घंटों में 3,66,161 नए कोरोना मरीज मिल हैं। इसके साथ ही देश में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 2,26,62,575 पहुंच गई है। वहीं देश में लगातार दूसरे दिन 3,754 लोगों ने दम तोड़ा है। इसके साथ कोविड से मरने वालों की संख्या 2,46,116 पहुंच गई।

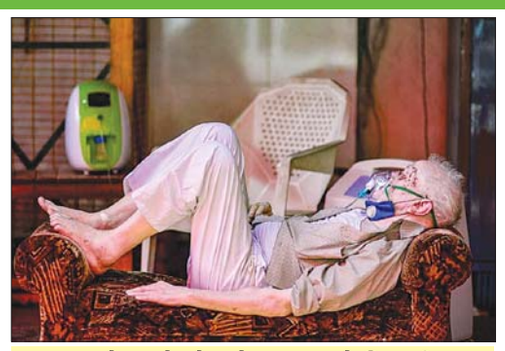

17 करोड़ लोगों को लगा कोविड टीका

देश में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान जारी है। अब तक 17,01,76,603 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। बता दें कि 1 मई से कोविड टीकाकरण का तीसरा चरण शुरू हो चुका है। इसमें 18 साल से ऊपर के लोगों को कोविड का टीका लगाया जा रहा है। हालांकि यह सभी राज्यों में शुरू नहीं हुआ है।

साप्ताहिक मामलों में गिरावट

साप्ताहिक मामलों में गिरावट बता रही है कि दूसरी लहर में संक्रमण पीक पर पहुंच चुका है या इसके नजदीक था। इस सप्ताह देश में कुल 27,44,545 मामले सामने आए जि पिछले हफ्ते (26.13 लाख) के मुकाबले 5 फीसदी अधिक रहा। पिछले हफ्ते मामलों में 16 फीसदी का उछाल आया था और उससे पहले के हफ्ते में ये 47 फीसदी था।रविवार को खत्म हुए सप्ताह में देश में 27 हजार से अधिक की मौत हुई और कुल 27.4 लाख मामले दर्ज किए गए। ये किसी भी सप्ताह में अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा रहा। इस दौरान मौत का आंकड़ा 15 फीसदी की रफ्तार से आगे बढ़ा। पहली बार लगातार तीन दिन के दौरान सीएफआर एक फीसदी रहा। 3 से 9 मई के बीच कुल 27,243 मरीजों ने अपनी जान गंवाई जबकि इससे पहले के सप्ताह में मौत का आंकड़ा 23,781 था।

तिब्बत में नया गांव बसाने की तैयारी

चालबाज चीन की चालाकी

नई दिल्ली। फॉरेन पॉलिसी में छपी रॉबर्ट बार्नेट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने 2015 में तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र (टीएआर) के दक्षिण में 'जियेलुओबो' नाम का एक नया गांव बसाने की घोषणा की थी। हालांकि, तिब्बत में 'ग्यालाफुग' नाम से पहचाना जाने वाला यह गांव भूटान की सीमा में पड़ता है। ऐसे में चीनी अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा का उल्लंघन किया है। उनकी यह कोशिश हिमालयी क्षेत्र में भारत समेत अन्य देशों के हितों को कमतर करने के वर्षों से जारी अभियान का हिस्सा है। बार्नेट के अनुसारए 'ग्यालाफुग' पर दावा जताकर चीन भूटान सरकार पर क्षेत्र को उसके हवाले करने का दबाव बना रहा है। इसका मकसद भारत से जारी संघर्ष में सैन्य लाभ हासिल करना है। भारत पर दबाव बनाने के लिए वह इसपर कब्जा कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'ग्यालाफुग' में निर्माण चीन और भूटान के बीच हुई स्थापना संधि का सीधा उल्लंघन है।

चेतावनीः ब्लैक फंगस में न बरतें लापरवाही

बिना इलाज मौत का भी खतरा

नई दिल्ली। देश पहले से ही कोरोना की दूसरी लहर से तबाह है, मौतों के आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। वहीं भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि कोरोना मरीजों में ब्लैक फंगस भी पाया जाता है। आईसीएमआर ने एडवाइजरी जारी कर बताया है कि कोरोना से ठीक हो चुके मरीजों के लिए यह म्यूकोरमाइकोसिस जानलेवा साबित हो रहा है। ब्लैक फंगस या म्यूकोरमाइकोसिस वातावरण में मौजूद रोगाणुओं से लड़ने की क्षमता को कमजोर कर देता है । सही समय पर इलाज नहीं मिलने से मरीजों की जान तक जा सकती है। खासकर यह बीमारी डायबिटीज और क्रॉनिकल बीमारी वालों के लिए खतरनाक है। ब्लैक फंगस या म्यूकोरमाइकोसिस में सरदर्द, बदन दर्द, तेज बुखार, खांसी, सांस लेने में समस्या, आंखों और नाक के पास लाल होना, खून की उल्टी, मानसिक स्थिति बदल जाना जैसे कई लक्षण दिखते हैं। केंद्र सरकार और आईसीएमआर ने इसे नजर अंदाज नहीं करने की सलाह दी है। ऐसी स्थिति होने पर चिकित्सकों से परामर्श लेने को कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और (आईसीएमआर) ने बीमारी की निगरानी, जांच और इलाज के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें बताया गया है '' ब्लैक फंगस या म्यूकोरमाइकोसिस का इलाज नहीं किया जाए तो इससे मरीज की जान तक जा सकती है। हवा में मौजूद फफूंद सांस के रास्ते शरीर में पहुंचता है और धीरे-धीरे फेफड़े को प्रभावित करना शुरू कर देता है'' आईसीएमआर-स्वास्थ्य मंत्रालय के परामर्श में कहा गया इस संक्रमण से बचने के लिए कोरोना मरीजों को अस्पतालों से छुट्टी देने के बाद भी ब्लड में ग्लूकोज की निगरानी जरूरी है। एंटीबायोटिक, एंटीफंगल दवा, स्ट्रॉयड और संक्रमणमुक्त पानी का इस्तेमाल संभल कर किया जाना चाहिए।

शपथ लेने के 48 घंटे बाद ही कोरोना संक्रमित हुए सीएम

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी रविवार को कोरोना संक्रमित हो गए। राज्य के स्वास्थ्य विभाग प्रवक्ता ने बताया कि रंगासामी की हालत स्थिर है। डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुडुचेरी के स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि कोरोना वायरस के हल्के लक्षण दिखने के बाद मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने पुडुचेरी के इंदिरा गांधी सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कोरोना जांच कराई थी, जहां उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। सीएम रंगासामी की हालत अभी स्थिर है। लेकिन डॉक्टर की सलाह पर उन्हें आगे के इलाज के लिए चेन्नई के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वे रविवार शाम ही चेन्नई के लिए रवाना हो गए थे।

एमपी में 270 कर्मचारियों की मौत फिर भी नहीं बनाया कोरोना योद्धा

भोपाल। मध्य प्रदेश में 200 बिजली कर्मी और 70 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों (आरएईओ) की कोरोना से संक्रमण से अब तक मौत हो गई है। हजारों की संख्या में संक्रमित है। तब भी शासन ने बिजली कर्मियों और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को कोरोना योद्धा का दर्जा नहीं दिया है। इस बात से बिजली कर्मचारी संघ और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के संरक्षण के लिए काम करने वाले संगठन ने हड़ताल की चेतावनी दी है। बिजली कर्मचारी संघ के बीडी गौतम ने जानकारी दी है कि प्रदेश की तीनों बिजली वितरण कंपनियों में हजारों की संख्या में बिजली कर्मचारी मैदानी स्तर पर काम कर रहे हैं। यदि ये कर्मचारी मैदानी स्तर पर काम करना छोड़ दें तो प्रदेश में बिजली सप्लाई से जुड़ी व्यवस्था ठप हो जाएगी। फिर भी इस कार्य को अव्वल दर्जे का नहीं माना माना जा रहा है और यही वजह है कि बिजली कर्मियों को शासन ने अब तक कोरोना योद्धा का दर्जा नहीं दिया है। जिन कर्मचारियों की मौत हो चुकी है उनका परिवार बहुत कमजोर हो चुका है। उनके सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। फिर भी कोरोना योद्धा के तहत मिलने वाली सहायता अब तक नहीं मिली है।

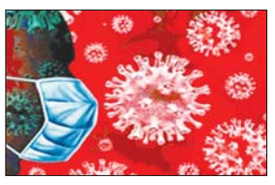

अच्छा इलाज मिलता तो बच जाता..

नई दिल्ली। कोरोना से हो रही मौतों का सिलसिला रुकने का नाम ही नहीं ले रहा। किसी को समय पर इलाज नहीं मिल रहा तो किसी को ऑक्सीजन नहीं मिल रही है। इस बीमारी की चपेट में अब तक कई अभिनेता आ चुके हैं। रविवार को भी एक अभिनेता-यूट्यूबर की कोरोना ने जान ले ली। वह अंतिम समय तक इलाज के लिए मदद मांगता रहा, लेकिन उसे मदद नहीं मिली और वो जिंदगी की जंग हार गया। अभिनेता-यूट्यूबर ने दम तोड़ने से कुछ घंटे पहले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को भावुक पोस्ट लिखी थी। राहुल ने लिखा था-क्या कोई ऐसा हॉस्पिटल है? जहां मुझे ऑक्सीजन बेड मिल जाए मेरा ऑक्सीजन लेवल लगातार डाउन जा रहा है। घरवाले कुछ संभाल नहीं पा रहे। मैं इलाज मिलता तो बच जाता।

सरमा ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ, ममता केबिनेट का गठन

नई दिल्ली। भाजपा नेता हिमंत बिस्व सरमा आज असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में सोमवार को दिन में 12 बजे राज्यपाल जगदीश मुखी ने हिमंत बिस्वा सरमा को मुख्यमंत्री पद एवं गोपनियता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री सरमा के अलावा अन्य मंत्री भी शपथ ले रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हैं। पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित राजभवन में आज यानी सोमवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सरकार के मंत्रिमंडल ने शपथ ली, जिसमें कुल 43 मंत्री शामिल हुए।

बाकी मैच भारत में होना नामुमकिन

भोपाल। देश में कोरोना का कहर आईपीएल पर भी बरपा और कुछ खिलाड़ियों के कोरोना संक्रमित होने के बाद आईपीएल को रद्द करने का फैसला लिया गया। हालांकि बीसीसीआई ने बायो बबल का हवाला देते हुए कोरोना से पूरी तरह से सुरक्षित होने का दावा किया था। दिल्ली और अहमदाबाद में मैच खेलने के बाद मामले बढ़े आईपीएल की टीम ने मुंबई और चेन्नई में आराम से अपने मैच खेले लेकिन जैसे टीम दिल्ली और अहमदाबाद मैच खेलने पहुंची, कोरोना का संक्रमण का खतरा बढ़ने लगा। आखिरकार कोविड-19 संक्रमण ने बीसीसीआई के बायो बबल सिस्टम को भी पछाड़ा और खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ समेत कई लोग कोरोना की चपेट में आ गए। इसके बाद बीसीसीआई ने आईपीएल के 14वें सीजन को रद्द करने का फैसला किया। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच आईपीएल को आयोजित करने के फैसले पर बीसीसीआई की काफी आलोचना हुई। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगूली ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा कि आप ऐसा कह सकते हैं कि आईपीएल को पहले ही रद्द करना देना चाहिए था।

तकनीकी खराबी के चलते सुनवाई टली

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी के दौरान जरूरी सेवाओं और उपकरणों के वितरण पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। हालांकि तकनीकी कारणों की वजह से कोर्ट की सुनवाई रद्द करनी पड़ी। अब गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में दोबारा सुनवाई होगी। केंद्र सरकार की ओर से राज्यों और अस्पतालों को जरूरी मेडिकल उपकरण किस तरह बांटे गए, इस पर कोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा था। तकनीकी खराबी की वजह से मेडिकल उपकरणों को लेकर हो रही सुनवाई फिलहाल टल चुकी है।

महिला का दावा: 50 बार एलियन ने किया किडनैप

वेब डेस्क। एलियन जैसा कोई प्राणी सच में होता भी है या नहीं, इस बात को लेकर दुनियाभर में काफी समय से बहस छिड़ी हुई है। अलग-अलग देशों से कई बार लोगों ने एलियंस को देखने का दावा किया है, लेकिन आज तक अपने दावे के लिए कोई भी प्रमाण नहीं दे पाया। अब तक जो सबूत सामने आए भी हैं उन्हें एडिटेड या फिर झूठा बता दिया जाता है। फिलहाल एलियंस के होने का दावा एक बार फिर से किया जा रहा है। यह दावा ब्रिटेन के ब्रैडफोर्ड में रहने वाली 50 वर्षीय

Alien has kidnapped woman

महिला पौला स्मिथ ने किया है। पौला का कहना है कि एलियंस पचास से ज्यादा बार उनका अपहरण कर चुके हैं। उन्होंने दावा किया है कि एलियंस उन्हें यूएफओ में ले जाते हैं और दूसरी दुनिया की सैर कराते हैं। पौला ने बताया कि एलियंस उनका अपहरण तब से कर रहे हैं, जब वह बच्ची थीं। उसके बाद से अब तक ऐसा 50 से अधिक बार हो चुका है। इतना ही नहीं, अपनी बात को साबित करने के लिए पौला ने सबूत भी पेश किए। उन्होंने अपने शरीर में बने कई निशान दिखाए। तथा कहा कि एलियन उनका अपहरण करते हैं तब वे उनके शरीर पर खास तरह का निशान बना देते हैं। पौला ने कहा कि इन निशानों का एलियंस की दुनिया में खास मतलब होता है।

यूनीसेफ बोला- वैक्सीन से ही हारेगा कोरोना, पोलियो जैसा होगा खात्मा

जिनेवा। पिछले करीब डेढ़ साल से दुनिया भर में कोरोना वायरस की तबाही जारी है। इन दिनों भारत कोरोना वायरस की दूसरी लहर के कहर की मार से जूझ रहा है। भारत समेत दुनिया भर में कोरोना वायरस से निपटने के लिए तेजी से टीकाकरण किया जा रहा है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने सोमवार को कहा कि कोविड वैक्सीन से जानलेवा वायरस कोरोना को परास्त किया जा सकेगा। यूनिसेफ ने कहा कि कोरोना वायरस का हाल भी पोलियो जैसे लोगों को अपंग बनाने वाले वायरस की तरह होगा।

मानसून पूर्व रेलवे कर रहा मेंटेनेंस का कार्य

पटरी से लेकर ब्रिज तक की मरम्मत में जुटा रेलवे

योजना बनाकर कार्य करा रहा इंजीनियरिंग विभाग

कटनी। कई शहरों में लगे लॉकडाउन के बाद भी ट्रेनों का संचालन नहीं रूका है। रेलवे कर्मचारी, अधिकारी और उनकी अनुभवी टीम इन दिनों ट्रेनों का संचालन लगातार जारी रखे हैं। कोरोना संक्रमण से ग्रस्त होते रेल कर्मचारियों के बाद भी रेलवे ने अपना काम नहीं रोका है। बारिश से पहले रेलवे ट्रैक का मेंटेनेंस शुरू कर रहा है। जबलपुर मंडल की सीमा में आने वाले 8 सौ किमी लंबे रेलवे ट्रैक की पटरियों के लिए रेलवे इंजीनियरिंग विभाग ने योजना तैयार कर ली है।

दरअसल ट्रेनों की संख्या कम होने के कारण पटरियों की मरम्मत और उनकी सुरक्षित के लिए उठाए जाने वाले सभी कदम के लिए रेलवे को पर्याप्त

समय मिल गया है। रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग ने इस समय का सदुप्रयोग करते हुए काम समय से पहले ही मानसून मेंटेनेंस का काम शुरू कर दिया है। मंडल की सीमा में आने वाले तकरीबन 800 किमी लंबे ट्रैक पर बने छोटे-बड़े तकरीबन 400 रेल ब्रिज का मेंटेनेंस वर्क शुरू कर दिया है।

जबलपुर रेल मंडल की सीमा में आने वाली निवार नदी, नर्मदा, तवा, महानदी, हिरन समेत कई नदी पर बने 12 ब्रिज के मेंटेनेंस के काम में भी इंजीनियरिंग विभाग का पूरा अमला जुट गया है। मध्यप्रदेश में 15 से 20 जून के बीच मानसून आता है। इसे ध्यान में रखकर जबलपुर रेल मंडल मानसून मेंटेनेंस का काम मई माह में शुरू कर दिया गया है। इस दौरान कई ऐसे काम भी किए जा रहे हैं जो अभी तक यात्री ट्रेनों का परिचालन न रूकने की वजह से पूरे नहीं हो पाते थे।

ट्रेनों के लिए 12 ब्रिज संवेदनशील

जबलपुर रेल मंडल की सीमा में वैसे तो छोटे तकरीबन 400 रेल ब्रिज हैं, इनमें से कई अंग्रेजों के समय के हैं। इनका रखरखाव करना रेलवे के लिए किसी चुनौतीपूर्ण काम से कम नहीं है। यही वजह है कि हर साल मानसून मेंटेनेंस के दौरान इनका मेंटेनेंस किया जाता है। इनमें निवार, हिरन, महानदी, नर्मदा और तवा नदी पर बने ब्रिज को संवेदनशील ब्रिज में शामिल किया गया है। अधिक बारिश हो पर इन नदी में बारिश का पानी उफान पर आते ही खतरे के निशान तक आ जाता है।

मानसून मेंटेनेंस में हो रहे ये काम

मेंटेनेंस के तहत रेलवे के द्धारा कई कार्य कराए जा रहे हैं। जिसमें रेल ब्रिज की मरम्मत, पुलियों की मरम्मत, ट्रैक पर आने वाल पेडों की छटाई, ट्रैक की मरम्मत, ट्रैक पर गिट्टी बिछाने का कार्य शामिल है।

कुकर से पाईप लगाकर लोगों को दिलाई जा रही भाप

भरतपुर में शुरू हुआ भाप केंद्र, सरपंच-सचिव की अनूठी पहल

रीठी। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए रीठी जनपद की ग्राम पंचायत भरतपुर के सरपंच सचिव द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, साथ ही ग्राम में नालियों की साफ सफाई कराकर स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। ग्राम वासियों ने बताया कि रोड ओर दीवारों पर कोविड गाइडलाइन के अनुसार लेखन कार्य पूर्व में करवाया गया था, वहीं अब सरपंच जहूर खान, सचिव मोहन लाल पटेल द्वारा पंचायत कार्यालय में ही ग्रामवासियों को कोरोना महामारी से बचाने के लिए सार्वजनिक भाप केन्द्र शुरू किया गया है, ताकि लोग भाप लेकर इस महामारी की भयावहता से बच सकें। ग्राम पंचायत के इस प्रयास की सराहना की जा रही है। ग्रामवासियों का कहना है कि इस तरह का भाप केन्द्र जनपद क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों में होना चाहिए। इस सार्थक पहल का अनुसरण अन्य पंचायतों को भी करना चाहिए। ग्रामीणों सहित क्षेत्र के लोग सरपंच, सचिव की सराहना रहे हैं। ग्राम पंचायत भरतपुर के सरपंच जहूर खान ने बताया कि ग्राम पंचायत भवन में भाप केंद्र देशी तकनीक के आधार पर तैयार किया गया है। जिसमे कुकर के माध्यम से पाईप लगाकर लोगों को भाप दिलाई जा रही है। जिससे ग्राम के जिन लोगों के यहां भाप लेने की सुविधा नहीं है और उनके संक्रमण के हल्के लक्षण है, वे भाप लेकर जल्दी ठीक हो सके।

आयुष्मान कार्ड नहीं, फिर भी हो सकेगा उपचार

परिवार के सभी सदस्यों का बनेगा आयुष्मान कार्ड

कटनी। प्रदेश के समस्त आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को निःशुल्क कोविड उपचार उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना लागू की गई है। इस योजना में आयुष्मान कार्डधारी परिवारों का निःशुल्क कोविड उपचार करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय भी लिये गये हैं। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने बताया कि योजना के तहत आयुष्मान पैकेज की दरों में 40 प्रतिशत की वृद्धि कर उनको वर्तमान में उपचार के लिये प्रायवेट अस्पतालों की दरों के समकक्ष लाया गया है। इसमें विशेष जांचों जैसे सीटी स्केन, एमआरआई आदि की अधिकतम सीमा जो पूर्व में 5 हजार रूपये प्रति परिवार प्रतिवर्ष थी, इसे संशोधित कर वर्ष 2021-22 में कोविड-19 के उपचार हेतु भर्ती कार्डधारियों के लिए 5 हजार रुपये प्रति कार्डधारी कर दिया गया है। वर्तमान में प्रदेश के कोविड उपचार हेतु चिन्हित अस्पतालों की संख्या 579 के विरुद्ध मेडिसिन विशेषज्ञता वाले 288 अस्पताल ही आयुष्मान योजना के इम्पेनल्ड है। जिला स्वास्थ्य समिति को जिला स्तर पर कोविड-19 के इलाज के लिए सार्थक पोर्टल पर पंजीकृत निजी अस्पताल को आयुष्मान भारत योजना में तीन माह के लिए अस्थायी सबद्धता प्रदान करने के लिए अधिकृत किया गया है।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए नि :शुल्क कोविड उपचार योजना लागू

मेडिसिन विशेषज्ञता रखने वाले निजी अस्पतालों को तीन महीने की अस्थाई संबद्धता

इस योजना से आर्थिक रूप से कमजोर आयुष्मान कार्डधारी परिवारों का निःशुल्क कोविड उपचार कराया जा सकेगा, जो राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता भी है। शासन द्वारा निर्देश दिये गये हैं कि जिले के समस्त ऐसे निजी अस्पताल जो मेडिसिन विशेषज्ञता रखते हुए कोविड उपचार कर रहे हैं और सार्थक पोर्टल पर पंजीबद्ध हैं। उनकी आयुष्मान योजना के अन्तर्गत तीन माह के लिए अस्थायी संबद्धता शीघ्र दी जाये ताकि उन सभी अस्पताल में आयुष्मान योजना के नवीन पैकेज के अन्तर्गत आयुष्मान कार्डधारियों का निःशुल्क कोविड उपचार सुनिश्चित किया जा सके। बहुत छोटे अस्पतालों को यह संबद्धता न दी जाये।

पात्र परिवार के प्रत्येक सदस्य का बने आयुष्मान कार्ड

राज्य शासन प्रतिबद्धता है कि आयुष्मान भारत योजना में पात्र परिवार के प्रत्येक सदस्य को कार्ड उपलब्ध कराया जाये। यह कार्य एक अभियान के रूप में चलाया जाये। कोविड-19 के निःशुल्क उपचार के लिये विशेष अभियान चलाकर सुनिश्चित करें कि आयुष्मान पात्र परिवारों के प्रत्येक सदस्य को पृथक कार्ड मिल सके और उनका निःशुल्क कोविड उपचार किया जा सके। कोई भी आयुष्मान कार्ड की पात्रता रखने वाले परिवार के पास यदि आयुष्मान कार्ड नहीं है और उसे कोविड होने के कारण उपचार की आवश्यकता है, तो भी इनका निःशुल्क इलाज सुनिश्चित किया जाना है।

बिना आयुष्मान कार्ड के भी होगा उपचार

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने बताया कि यदि आयुष्मान कार्डधारक के परिवार का कोई सदस्य जिसका आयुष्मान कार्ड नहीं बना है और वह कोविड पॉजीटिव होकर उपचार के लिये अस्पताल में पहुँचता है तो वह तीन तरह से अस्पताल में प्रवेश पा सकेगा। परिवार के किसी सदस्य का आयुष्मान कार्ड एवं खाद्यान्न की पर्ची, जिसके माध्यम से यह पता चलता है कि वह आयुष्मान कार्डधारक के परिवार का सदस्य है। आयुष्मान कार्डधारी परिवार के एक सदस्य का आयुष्मान कार्ड एवं उसके साथ समग्र आई.डी का प्रस्तुतीकरण, जिसके माध्यम से यह पता चलता हो कि वह आयुष्मान कार्डधारक परिवार का सदस्य है। परिवार के एक सदस्य का आयुष्मान कार्ड एवं साथ में किसी भी शासकीय विभाग के राजपत्रित अधिकारी का इस बावत प्रमाणीकरण कि वह आयुष्मान कार्डधारक के परिवार का सदस्य है। शासकीय अधिकारी इस हेतु समग्र पोर्टल के माध्यम से सत्यापित कर सकते हैं कि वह आयुष्मान कार्डधारी के समग्र आई.डी. परिवार का सदस्य है।

राज्य सरकार के निर्देश, शासकीय चिकित्सालयों में होगी कार्ड बनाने की स्थाई व्यवस्था

इस विषय में स्वास्थ्य सचिव आकाश त्रिपाठी ने बताया है कि कोविड उपचार के लिये भर्ती होने के पश्चात तीन दिवस के भीतर मरीज के परिवारजन को मरीज का आयुष्मान कार्ड बनवाकर अस्पताल में प्रस्तुत करना होगा। उसे यह कार्ड बनाने के लिए एक सुगमता पूर्वक व्यवस्था जिला कलेक्टर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सुनिश्चित करेंगे और इस हेतु शासकीय चिकित्सालयों में आयुष्मान कार्ड बनाने की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

तीन विशेष योग में वैसाख अमावस्या कल

नदी में स्नान करने, पितरों की तृप्ति के लिए श्राद्ध कर्म करने और दान देने से मिलेगा पुण्य फल

कटनी। पौराणिक मान्यता के अनुसार वैशाख मास में आने वाली अमावस्या का विशेष महत्व है। इस बार वैशाख अमावस्या कल 11 मई दिन मंगलवार को है। ज्योतिष विज्ञान के मुताबिक इस बार वैशाख अमावस्या का विशेष महत्व है। इस बार वैशाख अमावस्या मंगलवार दिन होने के कारण इसे भौमवती अमावस्या भी कहा जाता है। इसी प्रकार सोमवार के दिन पड़ने पर इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार वैशाख अमावस्या के दिन नदी में स्नान करने, पितरों की तृप्ति के लिए श्राद्ध कर्म करने और दान देने की प्रथा है। ऐसा करने से पुण्य फल मिलता।

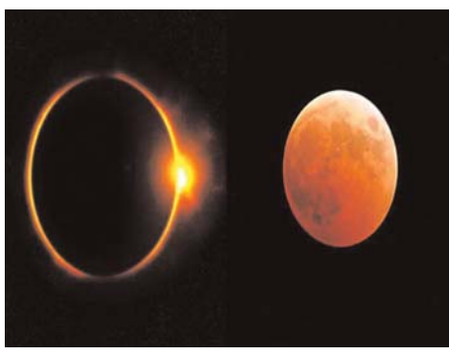

वैशाख अमावस्या का शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचाग के मुताबिक वैशाख मास की अमावस्या तिथि का प्रारंभ 10 मई दिन सोमवार को रात 09:55 मिनट पर हो रहा है जो 11 मई दिन मंगलवार को रात 12 बजकर 29 मिनट तक रहेगी। ऐसे में वैशाख अमावस्या 11 मई को ही मनाई जाएगी।

सौभाग्य, शोभन व सर्वार्थ सिद्धि योग

इस बार वैशाख अमावस्या के दिन तीन विशेष योग बन रहे हैं। इस दिन सौभाग्य योग और शोभन योग बन रहा है। 11 मई को सौभाग्य योग रात 10:43 मिनट तक रहेगा। उसके ठीक बाद शोभन योग शुरू हो जाएगा। इन दो विशेष योग के अलावा सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। 11 मई को रात 11:31 मिनट से अगले दिन 12 मई को प्रातः 05:32 मिनट तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। ये तीनों योग ही काफी महत्वपूर्ण हैं। सौभाग्य योग भाग्य में वृद्धि का कारक होता है जबकि शोभन योग शुभता प्रदान करता हैं।

वैशाख अमावस्या का पौराणिक महत्व

वैशाख अमावस्या को पितरों के मोक्ष के लिए उत्तम माना जाता है। इस अमावस्या पर नदी में स्नान करने के बाद पितरों का पिंडदान करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से पितरों की आत्माएं तृप्त होती हैं, उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है और वे अपने वंश को वृद्धि के लिए आशीर्वाद देते हैं। अमावस्या की उदया तिथि 11 मई को प्राप्त हो रही है, ऐसे में वैशाख अमावस्या का स्नान 11 मई को प्रातः होगा।

इस बार रोहणी नक्षत्र में अक्षय तृतीया

अबूझ मुर्हूत दिलाएगा कई कार्यों में सफलता

कटनी। इस साल अक्षय तृतीया की तिथि 14 मई यानी शुक्रवार के दिन है। इसी दिन रोहिणी नक्षत्र भी। इसके अलावा इस बार अक्षय तृतीया पर लक्ष्मीनारायण और गजकेसरी योग भी हैं। माना जाता है कि इस तिथि से ही सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत हुई थी। अक्षय तृतीया पर किया गया जप, तप, ज्ञान, स्नान, दान, होम आदि अक्षय रहते हैं। इसी कारण इसे अक्षय तृतीया कहा जाता है। भगवान नर और नारायण ने भी इसी दिन अवतार लिया था। ज्योतिष इसे अबूझ मुहूर्त भी कहते हैं। इसी दिन भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। इस वजह से इसे परशुराम तीज भी कहते हैं। अक्षय तृतीया के दिन ही दिन श्री बद्रीनारायण जी के पट खुलते हैं। इस मौके पर तिल सहित कुशों के जल से पितरों को जलदान करने से उनकी अनंत काल तक तृप्ति होती है। इस तिथि से ही गौरी व्रत की शुरुआत होती है। गौरी व्रत रखने से अखंड सौभाग्य और समृद्धि मिलती है। अक्षय तृतीया पर गंगास्नान का भी बड़ा महत्व है। इस दिन गंगा स्नान करने या घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर नहाने से पाप से छुटकारा मिलता है।

ब्राम्हणों को दान करने से मिलेगा अक्षय पुण्य

अक्षय तृतीया के दिन ब्राह्मणों को घड़ी, कलश, पंखा, छाता, चावल, दाल, घी, चीनी, फल, वस्त्र, सत्तू, ककड़ी, खरबूजा और दक्षिणा धर्मस्थान या ब्राह्मणों को दान करने से अक्षय पुण्य फल मिलता है। अबूझ मुहूर्त होने के कारण अक्षय तृतीया का दिन नूतन गृह निर्माण, गृह प्रवेश, देव प्रतिष्ठा जैसे शुभ कामों के लिए खास माना जाता है।

रेड जोन की ग्राम पंचायतों में किये जा रहे विशेष प्रयास, डोर-टू-डोर सर्वे से लेकर भाप दिलाने की भी की गई व्यवस्था

269 ग्राम पंचायतें अब भी ग्रीन जोन में शामिल

कटनी। मन में है विश्वास, हम होंगे कामयाब। इस ध्येय वाक्य के साथ कोरोना की इस विपदा की घड़ी में हम सब साथ मिलकर लड़ाई लड़ रहे हैं। जिले में बात शहरी क्षेत्र की हो, या ग्रामीण क्षेत्र की। जिला प्रशासन द्वारा हर स्तर पर जनस्वास्थ्य की दिशा में प्रभावी और उचित कदम उठाये गये हैं। इसका ही परिणाम है कि अब तक हमारी 269 ग्राम पंचायतें ग्रीन जोन में हैं। जहां एक भी कोरोना पॉजीटिव केस नहीं है। इसके साथ ही जिले की 115 ग्राम पंचायतें येलो जोन में अब तक शामिल हैं, जहां महज 1 से 4 पॉजीटिव केस ही हैं। 23 ग्राम पंचायतें जिले की ऐसी है, जो रेड जोन में हैं, जहां 5 या 5 से अधिक कोरोना पॉजीटिव केस हैं। जिले की येलो और रेड जोन की ग्राम पंचायतों को ग्रीन जोन में लाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। इसके लिये किल कोरोना अभियान-2 के माध्यम से प्रशासन की टीम ग्रामीण क्षेत्रों में सर्विलांस का काम कर रही है। इतना ही नहीं ग्रामीण क्षेत्रों में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देश पर इंसीडेन्ट कमाण्डर के द्वारा माईक्रो कंटेनमेन्ट जोन भी बनाये गये हैं। माईक्रो कंटेनमेन्ट जोन के आस-पास कोविड-19 के संभावित लक्षण वालों के सैम्पल टेस्टिंग के लिये हर क्षेत्र के लिये अलग-अलग टीम बनाई गई है, जो गांव में ही जाकर सस्पेक्टेड मरीजों के सैम्पल कलेक्ट कर रही है। सीईओ जिला पंचायत जगदीश चन्द्र गोमे ने बताया कि जिले की बहुत सी ग्राम पंचायतों ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आव्हान पर जनता कर्फ्यू का आगे बढ़कर समर्थन किया। उन्होने ना सिर्फस्वयं अनुशासन के साथ इसका पालन किया, बल्कि ग्रामीणों में जागरुकता लाते हुये बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश को निषेध भी किया। जनता कर्फ्यू के सार्थक परिणाम जिले में सामने भी आये और अभी हमारे जिले की 269 ग्राम पंचायतें ग्रीन जोन में हैं। श्री गोमे ने यह भी बताया कि ग्रामवासियों का कोरोना संक्रमण से बचाव हो सके, इसके लिये डोर-टू-डोर सर्वे, भाप दिलाने की व्यवस्था, किल कोरोना अभियान के तहत संबंधितों को मेडिकल किट और आयुष विभाग के द्वारा कोविड पॉजीटिव लोगों के लिये रोग प्रतिरोधात्मक औषधियों का वितरण लगातार किया जा रहा है। जिला पंचायत स्तर से जनपद पंचायतों से इसकी मॉनीटरिंग कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देश पर की जा रही है। वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से सीईओ जिला पंचायत सीईओ जनपदों से प्रतिदिन कोविड का रिव्यू कर रहे हैं।

आंध्रप्रदेश व तेलंगाना से आने वालों को कराया जाएगा कोरेन्टाईन

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ने जारी किए आदेश

कटनी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रियंक मिश्रा ने कोविड-19 के संक्रमण के नियंत्रण के उद्देश्य से तथा लोक स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुये आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 30 में निहित प्रावधानों एवं मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ एकट 1949 के तहत आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कोरोना वायरस कोविड-19 महामारी की रोकथाम हेतु जारी किये गये कंटेनमेन्ट प्लान में दिये गये निर्देशों के अनुपालन में कटनी जिले में आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना राज्य से आने वाले व्यक्तियों की जांच कराये जाने के लिये जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व/ इंसीडेन्ट कमाण्डर को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये है। आदेश के तहत कटनी जिले में आंध्रप्रदेश, तेलंगाना राज्य से यथा रेल, बस, कार, ट्रक इत्यादि संसाधनों से आने वाले यात्रियों एवं व्यक्तियों को अपने गंतव्य स्थानों पर न पहुंचने और उन्हें रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड, चैक पॉईन्ट पर रोककर इंसीडेन्ट कमाण्डर द्वारा 14 दिवस के लिये कोरेन्टाईन कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं। इसके साथ ही आंन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना से आने वाले व्यक्तियों एवं यात्रियों की प्रथम दृष्ट्या कोविड-19 टेस्ट अनिवार्य रुप से कराया जाना अनिवार्य होगा। यदि किसी व्यक्ति/यात्री की रिपोर्ट पॉजीटिव आती है, तो उसे कोविड केयर सेंटर में उपचार के लिये भर्ती कराया जायेगा। जिन व्यक्तियों की रिपोर्ट निगेटिव आती है, तो उन्हें होम कोरेन्टाईन कराये जाने के लिये निर्देशित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री मिश्रा ने दिये गये निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिये हैं।

यश भारत
नये ज़माने के साथ...

सिटी न्यूज

कटनी, सोमवार, 10 मई 2021

आज की खबर अभी , आप रहें घर पर
सोशल मीडिया के प्लेटफार्म पर यशभारत
www.yashbharat.com
https://www.facebook.com/yashbharatnews/
YASHBHARAT-Epaper

विश्व मदर्सडे पर विशेष

मां ने लुटाया मातृत्व : 2864 लाड़लों व लाड़लियों में पोषण आहार की संजीवनी से संवारी सेहत

दो माह में घर में रहकर की देखभाल, बड़ी संख्या में बच्चों की सुधरी हालत, माताओं की दम पर सुपोषित हुए हजारों बच्चे

कटनी। मां शब्द विशाल ही नहीं बल्कि हर किसी के लिए मां खास होती है। मां का सान्धिय, प्रेरणा और उसका स्नेह जीवन के लिए अमूल्य तो होता ही है और वह एक ऐसी दोस्त होती है जो कभी किसी भी घड़ी में साथ नहीं छोड़ती। 9 मई को पूरा विश्व मदर्स.डे मना रहा है। मां के लिए तो हर दिए सेलीब्रेट किया जाय तो भी कम है। इस दिवस पर हम जिले की ऐसी मांओं की जिन्होंने जिंदगी की आपाधापी में जिगर के टुकड़ों से कभी दूर रहकर तो कभी पास होते हुए भी उनका ठीक से लालन.पालन नहीं कर पा रहीं थीं और आलम यह था कि बच्चे कुपोषण की जंग में जकड़ रहे थे। लॉकडाउन में घर पर रहने के कारण माताओं ने लाडलों व लाडलियों पर खूब स्नेह लुटाया और पोषण की संजीवनी से उनकी सेहत को संवारा है। बता दें कि जिले में माह माह में अकेले 19 हजार 714 बच्चे अति कम वजन के थे। अप्रैल माह में इनकी संख्या 17 हजार 132 पहुंची। याने कि एक माह में 2 हजार 609 बच्चों की सेहत को संवारा है। इसी तरह अति कम वजन याने की गंभीर कुपोषण का भी कई बच्चे शिकार हैं। जिनकी माताएं जान सेहत संवार रही हैं। मार्च माह में अति कम वजन के बच्चों की संख्या 2 हजार 91 थी और अप्रैल माह में 1866 हुई। एक माह में 255 बच्चों की सेहत में सुधार हुआ है। अब 2864 बच्चों को माताओं ने सुपोषित किया है। बताया जाता है कि कम वजन के 13.2 प्रतिशत और अतिकम वजन के 10.76 प्रतिशत बच्चों में कमी आई है।

इस पहल से माताओं ने किया ठीक

बताया जाता है कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अतिकम वजन के बच्चों के लिए थर्डमील में पौष्टिक पाउडर, सोयाबरी, दूध पाउडर दिया गयाए जिससे सेहत में सुधार हुआ। बता दें कि 9 मार्च से गृहभेंट सेवा भी चल रही है। इसमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं के द्वारा न सिर्फ माताओं को टीकाकरण के लिए प्रेरित किया गया बल्कि 6 वर्ष से तीन वर्ष के बच्चों को टेक होम राशन का वितरण किया गया। 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए रेडी टू ईट खिचड़ीए दलिया, पंजीरी, सत्तू दिया गया, जिसको माताओं ने समय-समय पर बच्चों को पोषण आहार दिया और बच्चों की सेहत संवारी।

यह है मार्च अप्रैल में कम वजन के बच्चों की स्थिति

परियोजना	कमवजन मार्च	कम वजन अप्रैल	सुधार
बड़वारा	3243	2845	398
बहोरीबंद	2058	1997	61
ढीमरखेड़ा	2829	2749	80
कटनी	1992	1795	197
मुड़वारा	3393	2562	831
रीठी	2616	2139	477
विगढ़	3610	3045	565
योग	19741	17132	2609

यह है मार्च अप्रैल में अतिकम वजन के बच्चों की स्थिति

परियोजना	अतिकम वजन मार्च	अतिकम वजन अप्रैल	सुधार
बड़वारा	328	318	10
बहोरीबंद	162	149	13
ढीमरखेड़ा	327	298	29
कटनी	255	253	02
मुड़वारा	316	294	22
रीठी	333	281	55
विगढ़	370	273	97
योग	2091	1866	255

इनका कहना है

संकट की इस घड़ी में महिलाओं ने बच्चों का विशेष ख्याल रखा। माताओं की दम पर जिले के 2864 बच्चे स्वस्थ हुए हैं। लॉकडाउन के चलते अधिकांश महिलाएं घर पर थींए जिन्होंने महिला बाल विकास विभाग की पहल पर आंगनवाड़ी के माध्यम से दिए गए पोषण आहार को सही समय पर बच्चों को दिया और उसी का परिणाम हैं कि माताओं ने इतने बच्चों को सुपोषित किया है।

-नयन सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग

6 निजी अस्पतालों में होगा कोरोना मरीजों का उपचार

आयुष्मान संबद्ध अस्पतालों के लिये प्रभारी अधिकारी नियुक्त, जिला पंचायत सीईओ ने जारी किए आदेश

कटनी। प्रदेश सरकार द्वारा समस्त आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों के लिये निःशुल्क कोविड उपचार उपलब्ध कराने मुख्यमंत्री कोविड उपचार योजना लागू की गई है। जिले में इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिये कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने इसकी जवाबदेही सीईओ जिला पंचायत जगदीश चन्द्र गोमे को सौंपी है। कोई भी पात्र जरुरतमंद को कोविड के उपचार में समस्या ना हो, इसके लिये जिले के पंजीबद्ध निजी हॉस्पिटल्स के लिये प्रभारी अधिकारी, सहायक प्रभारी अधिकारी, वीएलई और आयुष्मान मित्र तैनात किये गये हैं। जिनके मोबाईल नंबर के साथ आदेश सीईओ जिला पंचायत द्वारा जारी कर दिये गये हैं। आयुष्मान संबद्ध अस्पतालों में आयुष्मान कार्डधारियों का एडमीशन एवं उपचार बिना किसी बाधा के सुगमता पूर्वक हो सके, यह सुंश्चित करना आवश्यक है। जिसके दृष्टिगत सीईओ जिला पंचायत जगदीश चन्द्र गोमे द्वारा पृथक-पृथक अधिकारियों एवं वीएलई को नियुक्त करते हुये आदेश जारी किया है। जारी आदेश के तहत एमजीएम हॉस्पिटल के लिये राजस्व निरीक्षक कमल बर्मन मोबाईल नंबर 9399900714 को प्रभारी अधिकारी एवं पटवारी प्रकाश गुप्ता को सहयोगी नियुक्त किया गया है। धर्मलोक हॉस्पिटल के लिये राजस्व निरीक्षक राजेन्द्र खम्परिया मोबाईल नंबर 8120044263 को प्रभारी अधिकारी एवं पटवारी धर्मेन्द्र ताम्रकार को सहयोगी नियुक्त किया गया है। जी जी गुप्ता नर्सिंग होम के लिये राजस्व निरीक्षक हेमन्त अवधिया मोबाईल नंबर 9425033943 को प्रभारी अधिकारी एवं पटवारी नितिन सोनी को सहयोगी, डॉ. चाण्डक हॉस्पिटल के लिये राजस्व निरीक्षक राजेन्द्र कुमार श्रीवास्तव मोबाईल नंबर 7000187910 को प्रभारी एवं पटवारी पंकज विश्वकर्मा को सहयोगी, महालक्ष्मी हॉस्पिटल के लिये राजस्व निरीक्षक दिलीप त्रिसोलिया मोबाईल नंबर 9424684404 को प्रभारी एवं पटवारी चन्द्रशेखर कोरी को सहयोगी, पुष्पांजलि नर्सिंग होम के लिये राजस्व निरीक्षक बृज बिहारी दुबे मोबाईल नंबर 9893183643 को प्रभारी एवं पटवारी राजेश दुबे को सहयोगी बनाया गया है। आदेश के तहत नियुक्त प्रभारी अधिकारियों को दायित्व सौंपते हुये उनके निर्वहन के लिये निर्देशित किया गया है। जिसमें अस्पताल में पूर्व से भर्ती कोविड मरीज, जो आयुष्मान योजना के तहत पात्र हितग्राही हैं, उनकी सूची निर्धारित प्रारुप में तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही नियुक्त अधिकारी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि अस्पताल के लिये नियुक्त वीएलई पूर्ण समय अस्पताल में उपस्थित रहकर पात्र मरीजों का आयुष्मान कार्ड तत्काल बनायें। प्रभारी अधिकारी द्वारा सुनिश्चित किया जायगा कि आयुष्मान योजना के तहत पात्र मरीजों को तत्काल भर्ती किया जाये। यदि किसी मरीज के पास स्वयं का आयुष्मान कार्ड नहीं बना है, किन्तु उसके परिवार के किसी सदस्य का आयुष्मान कार्ड बना हुआ है, तो ऐसे मरीज को अविलंब निर्धारित दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भर्ती कराया जाये। आवश्यक दस्तावेजों में खाद्यान्न पर्ची, समग्र आईडी या किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणीकरण कि मरीज आयुष्मान कार्ड धारक के परिवार का सदस्य है, प्रस्तुत किया जा सकता है। इसके साथ ही जितने पात्र हितग्राही अस्पताल में कोविड के इलाज के लिये भर्ती हुये हैं, उनके आयुष्मान कार्ड 12 घंटे के भीतर वीएलई के माध्यम से बनाया जाना संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करेंगे। किसी भी प्रकार की समस्या अथवा जानकारी के लिये अवगत कराने तथा प्रतिदिन की रिपोर्ट भी दिये गये वॉट्सएप पर सांय 7.30 बजे तक अनिवार्य रुप से भेजने के लिये भी निर्देशित किया गया है।

पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष बाला वर्मा का निधन

बरही। नगर परिषद बरही के पूर्व अध्यक्ष बाला प्रसाद वर्मा, जिन्हें प्रेम एवं सम्मान से नगरवासी लालाजी के नाम से संबोधित करते थे, अब वे इस दुनिया को अलविदा कह गए। साहस, अनुशासन, जीवन मे संघर्ष की मूर्ति 78 वर्षीय श्री वर्मा ने रविवार-सोमवार की दरमियानी रात जिला चिकित्सालय में अंतिम सांस ली। जिनका अंतिम संस्कार बरही स्थित मुक्तिधाम में सोमवार की सुबह किया गया। एक अनुशासित मुखिया की तरह अपने घर परिवार की खुशहाली के लिए स्वर्गीय श्री वर्मा ने युवावस्था से ही जीवन में संघर्ष करते हुए एक शानदार मुकाम हासिल कर बरही नगर ही नही समूचे क्षेत्र में सम्मानजनक मुकाम प्राप्त किया था। बरही नगर का यह इकलौता घर, परिवार है, जिसे लालाजी ने अपनी मेहनत की माला में एक सूत्र में बांधकर संभाला हुआ था, जिसकी मिसाल नगर मे एक संगठित, अनुशासित परिवार के रूप में दी जाती है। लाला जी के पांच पुत्र बड़े राजेश वर्मा, राजकिशोर वर्मा, राजी वर्मा, पत्रकार अजय वर्मा एवं सबसे छोटे विजय वर्मा अपने पिता के लिए समर्पित रहकर उनकी छाव में रहकर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहे थे, अचानक श्री वर्मा के देवलोकगमन होने से न सिर्फ वर्मा परिवार बल्कि समूचे क्षेत्र में महाशोक की लहर है। पूरे बरही में मातम छाया हुआ है। नगर परिषद अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों के लिए हर नगरवासी उनके विकासीय कार्य की सराहना करता है, इतना ही नहीं उनके राजनीतिक विरोधी भी उनके द्वारा किए गए विकास कार्य के कायल थे। उनके देवलोकगमन से बरही में एक युग का अंत हो गया। लाला जी को परमगति प्रदान करने, वर्मा परिवार को यह वज्रपात सहन करने परमात्मा से प्रार्थना करते हुए बरही के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सतीश तिवारी, विधायक प्रतिनिधि पीयूष अग्रवाल, जनसंपर्क विभाग कटनी के अधिकारी सुनील वर्मा, बरही मीडिया ग्रुप के दीपक अग्रवाल, आनंद सराफ, कृष्णकुमार मिश्रा, संदीप स्वर्णकार, प्रेमलाल सेन, कप्तान सिंह, लखन विश्वकर्मा सहित कृष्णकांत ताम्रकार, पवन गुप्ता, संतोष गुप्ता, पीयूष सराफ, अशोक वर्मा, ओंकार ताम्रकार, विकाश गुप्ता सहित उनके चाहने वाले, शुभचिंतकों, नगरवासियों, जनप्रतिनिधियों ने शोक भाव पूर्ण शोक श्रद्धांजलि अर्पित की है।

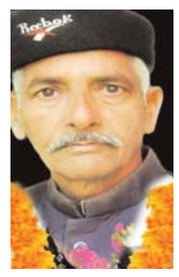

किल कोरोना समिति गठित

कटनी। मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मंत्रालय भोपाल के आदेशानुसार दिनांक 7 मई से 25 मई तक किल कोरोना-3 अभियान का संचालन एवं किल कोरोना समितियों को गठन किये जानें के निर्देश प्रदान किये गए है। कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रियंक मिश्रा के आदेशानुसार नगर के 45 वार्डो के निवृतमान पार्षदों को कोरोना वार्ड समिति का प्रभारी नियुक्त करते हुये वार्ड प्रभारी की अनुशंसा अनुसार गठित समिति के सदस्यों का अनुमोदन किया गया है। निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे द्वारा 45 वार्डो हेतु गठित कोरोना वार्ड समिति को किल कोरोना-3 अभियान के अंतर्गत किल कोरोना समिति के रूप मे गठन किया कर समिति के निवृतमान वार्ड पार्षदों को समिति का प्रभारी नियुक्त किया गया है। सभी वार्डो की किल कोरोना समिति को अपनें वार्डो में सर्दी/बुखार/खांसी लक्ष्ण युक्त रोगियों के प्राथमिक उपचार हेतु नगर पालिक निगम के चारों जोन कार्यालयों में वार्ड क्रमांक 01 से 11 तक के नागरिकों हेतु जोन क्र.-1 न्यू बस स्टेण्ड आडिटोरियम परिसर, वार्ड क्रमांक 12 से 21 तक के नागरिकों हेतु जोन क्रमांक 2 खिरहनी आंगनबाडी भवन में, वार्ड क्रमांक 22 से 33 तक के नागरिकों हेतु जोन क्र.- 3 टी.सी.बजान विद्यालय परिसर तथा वार्ड क्रमांक 34 से 45 तक के नागरिकों हेतु जोन क्रमांक 4 माधवनगर उपकार्यालय तक पहुंचानें एवं सहायता केन्द्र का संचालन, प्रचार प्रसार का कार्य कर कोविड-19 जैसी महामारी में सहयोग प्रदान की अपील की है।

जनअभियान परिषद ने शुरू किया जागरूकता अभियान

बरही। जन अभियान परिषद की ब्लॉक समन्यवक श्रीमति नंदनी वाटिया के निर्देशन में आज लोगो को मास्क वितरित कर। सभी को घर मे सुरक्षित रहने, मास्क लगाने, एवं सामाजिक दूरी बनाए रखने हेतु लोगो को संकल्प दिलाया। इसी क्रम में आज बरही में वोलेंटियर नवल चतुर्वेदी के द्वारा बरही नगर के वार्ड क्रमांक 02 की नई बस्ती में लोगो को मास्क वितरित कर सोशल डिस्टेंसिंग के पालन करनेएघर मे सुरक्षित रहने एवं मास्क लगाने हेतु शपथ दिलाई गई।

लॉकडाउन उल्लंघन पर दर्ज हुई एफआइआर

कटनी। लॉकडाउन उल्लंघन पर पुलिस ने कार्रवाई की है। दोषियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। जानकारी के अनुसार स्वास्तिक सेवा सदन वीनस होटल के सामने के प्रतिष्ठान का संचालन किया जा रहा था। तहसीलदार संदीप श्रीवास्तव की छापामारी में खुलासा हुआ। रिपोर्ट पर प्रधान आरक्षक सतेन्द्र सिंह ने एफआइआर दर्ज की है। इसी तरह धर्मलोक अस्पताल के सामने भी कार्रवाई की गई है। माधवनगर पुलिस ने जरवाही प्रभाकर किराना स्टोर निवार पर भी कार्रवाई की है। उमरियापान पुलिस ने महेश प्रसाद बर्मन निवासी मुडिया़ पुरवा के खिलाफकार्रवाई की है।

आग से जले वृद्ध की मौत

कटनी। बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरनमहगवां में आग से जलने के कारण वृद्ध की मौत हो गई है। प्रधान आरक्षक जयराम साकेत ने बताया कि टिंगाली कोल पिता मद्दू कोल (65) साल निवासी बरनमहगवां आग से जल गया था। जलने के कारण इलाज दौरान मौत हो गई है। शव का पीएम कराते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

सांसद कोविड हैल्प सेंटर का शुभारंभ

काढ़े के साथ मरीजों के परिजनों के लिए भोजन व पेयजल की व्यवस्था

कटनी। कोविड के इस संकट काल सेवा ही संगठन-2 अभियान के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता निरंतर लोगों की सेवा के कार्य मे जुटे हुए हैं। इसी क्रम में जिला अस्पताल के समक्ष सांसद सहायता केंद्र का शुभारंभ किया गया। पीड़ितों तक संकट के इस दौर में सहायता करने का कार्य भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता लगातार कर रहे हैं साथ ही सरकार द्वारा कोरोना के प्रभाव से बचने के लिए हरसंभव प्रयास निरंतर जारी है। इस हैल्प सेंटर के माध्यम से इलाज कराने आ रहे मरीजों अथवा उनके परिजनों की किसी भी तरह की समस्या का निदान किया जाएगा। भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मरीज के परिजनों के लिए भोजन तथा सादे पेयजल के साथ गर्म पानी, त्रिकुट काढ़ा, मास्क एवं सेनेटाइजर दिए जाएंगे, साथ ही पीड़ितों के परिजनों को भटकना ना पड़े इस हेतु भाजपा कार्यकर्ता उनकी मदद करेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा की मंशानुरूप सांसद सहायता केंद्र के जरिये पार्टी कार्यकर्ता लोगों की समस्या के निदान हेतु ततपर रहेगें। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष पीताम्बर टोपनानी, वरिष्ठ नेता चेतन हिंदुजा, युवा मोर्चा अध्यक्ष मृदुल द्विवेदी, आइटी सैल के जिलासंयोजक सचिन तिवारी, पप्पा मिश्रा, आशीष मिश्रा, नवीन मोटवानी, रेशु टुडहा आदि मौजूद रहे।

अभाविप ने शुरू की स्वामी विवेकानंद रसोई

जरूरतमंदों को बांट रहे भोजन के पैकेट

कटनी। कोरोना संकट काल के दौरान कटनी में शासन प्रशासन एवं विभिन्न समाजसेवी संगठनों द्वारा सेवा कार्य किए जा रहे हैं एवं जरूरतमंदों की हर सम्भव मदद की जा रही है। कोई भूखा न रहे इसी उद्देश्य से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा विद्यार्थी परिषद कार्यालय में स्वामी विवेकानंद रसोई का प्रारंभ किया गया है। जहां गरीबों को निशुल्क भोजन भोजन वितरित किया जायेगा। जिला संयोजक सिप्तेन रजा ने बताया कि आज भोजन वितरित का चौथा दिवस है कोरोना कर्फ्यू के समय में कई ऐसे लोग हैं, जो भूखे कहते है, उन सभी को विद्यार्थी परिषद निशुल्क भोजन देगा आज से यह अभियान प्रारंभ हुआ है जो कोरोना कर्फ्यू के दौरान निरंतर जारी रहेगा। इस दौरान जिला संयोजक सिप्तेन रजा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अखिल मिश्रा, तृप्ति जैन, सुधांशु जैन, निधी जैन आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किराये से देना है
सिंगल रूम अटैच- 3000 प्रतिव्यक्ति
सर्विस वालों एवं ऑफिस के लिए- 5000 दो व्यक्ति
पता- बीजेपी कार्यालय के सामने जबलपुर रोड बरगवां कटनी (म.प्र.)
मो. 8109417340

यदि आप तक समय पर यश भारत नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें फोन :- 230033

एम.जी.एम. स्कूल/कॉलेज ऑफ नर्सिंग
Ph. : 07622 - 405074, Mob. 7771001902
Email. : mgmnursingkte@gmail.com | Website : mgmnursingcollege.com
जिले के सर्वप्रथम पोस्ट बेसिक BSc.नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश प्रारंभ
विशेषतायें
डिप्लोमा जी.एन.एम. नर्सिंग उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को पोस्ट बेसिक BSc. डिग्री नर्सिंग कोर्स करने का सुनहरा अवसर दो वर्षो में BSc. नर्सिंग करें।

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	शैक्षणिक अर्हता
1	बी.एस.सी. (नर्सिंग)	4 वर्ष	12 वीं (बायोलॉजी)
2	जी.एन.एम. (नर्सिंग)	3 वर्ष	12 वीं
3	पोस्ट बेसिक बी.एस.सी.(नर्सिंग)	2 वर्ष	GNM उत्तीर्ण

छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति शासन द्वारा नियमानुसार प्रदान की जाती है
SC / ST/ OBC
छात्रावास एवं मेस (भोजन) की सुविधा
जिला अस्पताल कटनी, मनोरोग चिकित्सालय इंदौर में प्रशिक्षण
मान्यता प्राप्त - इण्डियन नर्सिंग काउंसिल नई दिल्ली, म.प्र. चिकित्सा शिक्षा विभाग भोपाल, म.प्र. स्टेट नर्सिंग काउंसिल भोपाल, म.प्र.मेडिकल यूनिवर्सिटी जबलपुर

हीरागंज में सज रही सब्जी मंडी, बाजार में गंभीर मनमानी

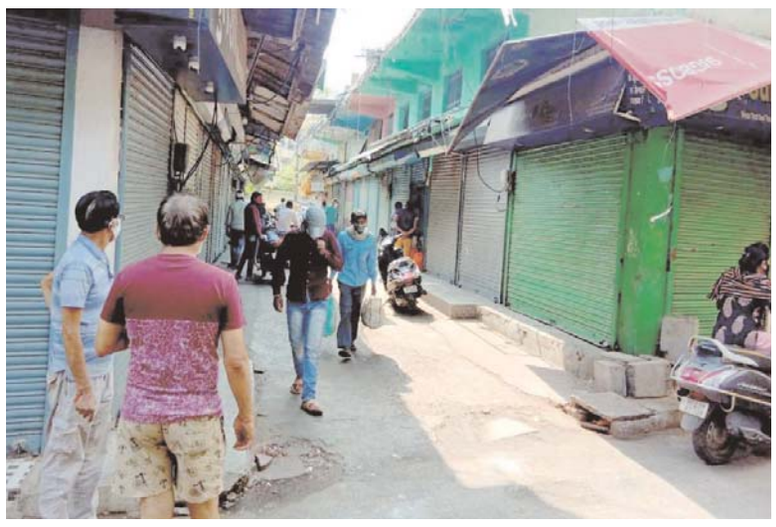

प्रभावी कार्रवाई ने होने से व्यापारी कर रहे मनमानी

कटनी। जिले में कोविड संक्रमण खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। संक्रमण के चलते 17 मई तक फिर कर्फ्यू लगा हुआ हैए लेकिन शहर में व ग्रामीण इलाकों में लॉकडाउन का प्रभावी असर नहीं रहा है। सुबह 7 बजे से शहर में लोगों का रेला उमड़ता है। लोग जान को लेकर एकदम बेपरवाह हैं। न तो सामाजिक दूरी का पालन हो रहा और ना ही लॉकडाउन का। व्यापारी शहर बंद करके बाहर खड़े रहते हैंए जैसे ग्राहक आता है खोलकर सामान देते हैं। इतना ही नहीं हीरागंज में पेट्रोलपंप के पास आबादी के बीच सब्जी मंडी सज रही हैए जहां पर जमकर लोगों की भीड़ लग रही है। प्रभावी कार्रवाई न होने से बाजार में मनमानी जारी है।

11 स्थानों पर बनाए गए माइक्रो कंटेनमेंट जोन

कटनी। कोविड - 19 के बढते संक्रमण की रोकथाम एवं सुरक्षा की दृष्टि से निगम सीमान्तर्गत कोविड पाजीटिव पाये जाने पर उक्त क्षेत्र/भवन को माईक्रो कंटेनटमेन्ट जोन चिन्हित किये जाकर साफसफाई, कीटनाशक दवा के छिडकाव सहित सैनेटाइजेषन की कार्यवाही निरंतर जारी है। कोविड संक्रमण के प्रसार को दृष्टिगत रखते हुए क्षेत्रीय उपयंत्रियों से संकलित एवं विभाग द्वारा दी गई जानकारी अनुसार आज जगमोहन दास वार्ड आधारकाप, राजीव गांधी वार्ड रबड फैक्ट्री रोड, दुर्गा चौक खिरहनी, राम जानकी हुमान वार्ड क्रमांक 18 के चार स्थलों, जगजीवन राम वार्ड एन.के. जे बजरिया एवं जैन कॉलोनी गली नंबर 10 , षिवाजी वार्ड में बजरंग कॉलोनी एवं स्टीम कॉलोनी एन.के जे आदि स्थलों पर माइक्रों कंटेनमेंट जोन के बेनर लगाकर अन्य आवष्यक कार्यवाही की गई।

जिले में अब वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ाने की कवायद

44 केन्द्रों पर लोगों को लगाया जा रहा टीका

कटनी। कोरोना संक्रमण के चलते अब वैक्सीनेशन बढ़ाने की कवायद की जा रही है। आज 10 मई को जिले में शासकीय क्षेत्र की 44 स्वास्थ्य संस्थाओं में कोविड-19 टीकाकरण सत्र आयोजित किये जायेंगे। शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में टीकाकरण निःशुल्क किया जा रहा है। कटनी शहरी क्षेत्र के टीकाकरण केन्द्रों की जानकारी देते हुये जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. समीर सिंघई ने बताया कि कटनी अर्बन क्षेत्र में पुरानी कचहरी परिसर, अर्बन पीएचसी प्रेम नगर, अर्बन पीएचसी लखेरा, ऑर्डिनेन्स फैक्टी हॉस्पिटल, एसीसी हॉस्पिटल कटनी, रेल्वे हॉस्पिटल, बड़वारा क्षेत्र अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बड़वारा, एसएसची बरछेंका, एसएचसी अमाड़ी, एसएचसी विलायत खुर्द, एसएचसी सकरीगढ़, बहोरीबंद क्षेत्र अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बहोरीबंद, पीएचसी स्लीमनाबाद, पीएचसी बाकल, पीएचसी तेवरी, एसएचसी मसंधा, एसएचसी कुआं, एसएचसी कौडिया, एसएचसी बम्हौरी में 10 मई को कोविड-19 का टीकाकरण किया जा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों भी हो रहा टीकाकरण

इसी तरह ढीमरखेड़ा क्षेत्र अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उमरियापान, पीएचसी कछारगांव, पीएससी ढीमरखेड़ा, पीएचसी खमतरा, पीएचसी सिलौंड़ी, कन्हवारा क्षेत्र अन्तर्गत पीएचसी कन्हवारा, सीएचसी पहाड़ी, पीएचसी बड़ेरा, एसएचसी जुहला, एसएचसी पड़रिया, एसएचसी पिपरौंध, रीठी क्षेत्र अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रीठी, पीएचसी बिलहरी, पीएचसी बड़गांव, एसएचसी देवगांव, एसएचसी इमलाज, बरही क्षेत्र अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बरही, एसएचसी कुआं, एसएचसी खितौली, विजयराघवगढ़ क्षेत्र अन्तर्गत सिविल हॉस्पिटल विजयराघवगढ़, पीएचसी सिनगौड़ी, पीएचसी कैमोर, एसएचसी हनतला, एसएचसी भैंसवाही, एसएचसी देवराकलां में वैक्सीन लगाई जा रही है।

पत्रकारों को दी जाए सहायता राशि

कटनी।

पत्रकार कल्याण परिषद कटनी इकाई ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मांग की है कि इस कोरोना महामारी के दौर में पत्रकार भी समस्या ग्रस्त हैं। सम्मानजनक परिवेश में जीवन यापन करने वाले पत्रकार आज किसी के सामने हाथ भी नहीं फैला सकते। अनेक ऐसे परिवार हैं, जिन्हें आर्थिक सहयोग की नितांत आवश्यकता है। मध्यप्रदेश सरकार से पत्रकार कल्याण परिषद ने मांग की है कि अपनी जान की परवाह नहीं करते हुए कर्तव्य निर्वहन में डटे पत्रकारों को 10-10 हजार रुपए प्रारंभिक सहयोग राशि प्रदान की जाए, जिससे पत्रकारों के परिवार पालन और भरण पोषण में कोई रुकावट उत्पन्न न हो। पत्रकार ही ऐसी बिरादरी है, जो बगैर किसी शासकीय वेतन या प्रमोशन की अभिलाषा के अपने दायित्व का निर्वाह करती है।

पात्र परिवारों को सरकार देगी राशन

हितग्राहियों के सत्यापन एवं अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करने की प्रक्रिया निर्धारित

कटनी। प्रदेश में कोरोना कर्फ्यू के चलते गरीब परिवारों को पात्रतानुसार खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इस संबंध में पात्रता पर्ची विहीन और छूटे हुए गरीब परिवारों को खाद्यान्न वितरण के लिये हितग्राहियों के सत्यापन एवं अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। राज्य सरकार द्वारा अस्थाई पात्रता पर्ची के लिये निर्धारित की गई प्रक्रिया सभी कलेक्टर्स को भेजते हुए त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। हितग्राहियों के सत्यापन एवं पात्रता पर्ची जारी करने और छूटे हुए हितग्राहियों के सत्यापन में निर्धारित 24 श्रेणियों के पात्रता संबंधी दस्तावेज उपलब्ध न होने पर हितग्राही द्वारा संबंधित श्रेणी में होने का आवेदन सह-घोषणा-पत्र स्थानीय निकाय में प्रस्तुत करना होगा। स्थानीय निकाय द्वारा आवेदन सह-घोषणा-पत्र के पर्याप्त प्रिन्ट, छायाप्रति पंचायत एवं वार्ड कार्यालय में उपलब्ध कराये जायेंगे। स्थानीय निकाय में प्राप्त आवेदन सह-घोषणा-पत्रों की पंजी संधारित की जायेगी। परिवार की समग्र आईडी होना अनिवार्य है, यदि परिवार की समग्र आईडी जारी नहीं हुई है, तो तत्समय ही स्थानीय निकाय द्वारा समग्र परिवार आईडी निर्मित की जायेगी। नवीन आवेदक को परिवार के सदस्यों के आधार नंबर उपलब्ध कराने की अनिवार्यता नहीं है। परिवार के जिन सदस्यों के आधार नंबर उपलब्ध हों, उनकी प्रविष्टि पोर्टल पर की जायेगी। स्थानीय निकाय द्वारा हितग्राही से प्राप्त आवेदन का निर्धारित बिन्दुओं पर परीक्षण किया जाएगा। आवेदक संबंधित ग्राम/वार्ड का निवासी है। परिवार एनएफएसए की पात्रता श्रेणी के अंतर्गत अर्हता रखता है। आवेदन में परिवार के एक सदस्य का सही मोबाईल नंबर उपलब्ध कराया गया है। आवेदक परिवार या उसके किसी भी सदस्य का नाम पूर्व से जारी पात्रता पर्ची में शामिल नहीं है। समग्र परिवार आईडी सही अंकित की गई है एवं आवेदन तथा समग्र आईडी डाटा में उल्लेखित परिवार के वितरण का मिलान हो रहा है। सत्यापन की कार्यवाही अधिकतम दो कार्य दिवस में पूर्ण की जायेगी। वार्ड प्रभारी/ग्राम पंचायत सचिव द्वारा उक्तानुसार आवेदन का परीक्षण उपरांत जानकारी सही पाये जाने पर राशन मित्र पोर्टल पर आपदा खाद्यान्न राहत मॉड्यूल में आवेदक की जानकारी प्रविष्ट की जायेगी तथा हितग्राही को अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करने के लिये आवेदन जनपद/नगरीय निकाय को अग्रेषित किया जावेगा। जनपद पंचायत/नगरीय निकाय के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत/वार्ड कार्यालय से अग्रेषित आवेदनों का परीक्षण उपरांत स्वीकृत/अस्वीकृत करने की कार्यवाही राशन मित्र पोर्टल पर की जायेगी। आवेदन को अस्वीकृत करने की दशा में अस्वीकृत करने का कारण अंकित करना होगा। वास्तविक पात्र हितग्राहियों को अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करने का उत्तरदायित्व स्थानीय निकाय/सत्यापनकर्ता अधिकारी का होगा।

अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करना

स्थानीय निकाय द्वारा आपदा खाद्यान्न राहत श्रेणी अंतर्गत परिवार के सत्यापन उपरांत एनआईसी द्वारा साप्ताहिक रूप से अस्थाई पात्रता पर्ची जारी की जायेगी। जारी पात्रता पर्ची में अस्थाई पात्रता पर्ची का उल्लेख किया जायेगा, जो कि आगामी तीन माह तक वैध होगी। तीन माह की समयावधि में हितग्राही द्वारा पात्रता संबंधी दस्तावेज एवं परिवार के सभी सदस्यों के आधार नंबर उपलब्ध कराने पर स्थाई पात्रता पर्ची जारी की जा सकेगी। अस्थाई पात्रता पर्ची राशन मित्र पोर्टल पर उपलब्ध कराई जायेगी, जिसका प्रिन्ट स्थानीय निकाय द्वारा हितग्राही को उपलब्ध कराया जायेगा। अस्थाई पात्रता पर्ची जारी होने की सूचना हितग्राही के पंजीकृत मोबाईल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से दी जायेगी।

खाद्यान्न का आवंटन

निर्धारित की गई प्रक्रिया के तहत जोड़े गए नवीन परिवारों के लिये एन.एफएस.ए अंतर्गत अतिरिक्त खाद्यान्न गेहूँ एवं चावल का आवंटन जारी किया जायेगा। उचित मूल्य दुकान पर आवंटित खाद्यान्न के प्रदाय की प्रत्याशा में दुकान पर उपलब्ध स्टाक में से हितग्राही को खाद्यान्न का वितरण कराया जायेगा। योजना अंतर्गत खाद्यान्न प्रदाय की प्रतीक्षा किये बगैर हितग्राही को खाद्यान्न वितरण कराया जायेगा। अस्थाई रूप से जोड़े गए नवीन हितग्राहियों को पीओएस मशीन से खाद्यान्न का वितरण किया जायेगा। इसके लिए आपदा खाद्यान्न राहत श्रेणी अंतर्गत पृथक से पीओएस मशीन पर प्रदर्शित होंगे। पात्र हितग्राही को अस्थाई पात्रता पर्ची जारी होने के माह से खाद्यान्न प्राप्त करने की पात्रता होगी। परिवार को 5 किलोग्राम प्रति सदस्य प्रतिमाह के मान से खाद्यान्न वितरण किया जायेगा। इसके अतिरिक्त पीएमजीकेएवाय अंतर्गत माह मई एवं जून का 10 किलोग्राम खाद्यान्न भी निःशुल्क वितरण किया जायेगा। हितग्राही को खाद्यान्न वितरण करते समय पीओएस मशीन से जारी पावती आवश्यक रूप से उपलब्ध कराई जाए।

प्रचार-प्रसार एवं निगरानी

नवीन परिवारों को जोड़ने एवं उनको खाद्यान्न वितरण के संबंध में स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही जन-प्रतिनिधियों को भी इस संबंध में अवगत कराया जाये। प्राप्त आवेदनों के सत्यापन, पोर्टल पर प्रविष्टि, अस्थाई पात्रता पर्ची जारी करने एवं खाद्यान्न वितरण की प्रतिदिन पंचायतवार, निकायवार मॉनिटरिंग की जाये। हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त करने एवं राशन वितरण में कोविड-19 के बचाव के लिये निर्धारित प्रोटोकॉल एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराये जाने के भी निर्देश दिये गये हैं। अस्थाई रूप से जोड़े गए परिवारों द्वारा निर्धारित अवधि में पात्रता संबंधी दस्तावेज उपलब्ध न कराने पर उनको जारी अस्थाई पात्रता पर्ची आमान्य कर दी जायेगी।

महिला को सुरक्षित पहुंचाया घर

महिला बाल विकास विभाग ने की पहल

कटनी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग नयन सिंह ने बताया कि विगत दिवस स्लीमनाबाद पुलिस को एक महिला क्षेत्र में घूमती हुई मिली। उसे विभाग द्वारा चलाए जा रहे वन स्टॉप सेंटर भेजा गया। विभाग प्रमुख ने महिला को उसके गृह जिला डिंडौरी भेजे जाने के लिए पहल शुरू की। जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जदगीशचंद्र गोमे के निर्देशन में प्रशासक वन स्टॉप सेंटर सुषमा नाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई। विशेष वाहन से 24 घंटे के अंदर उसे परिवार तक पहुंचाया गया। इस पहल में जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह, सहायक संचालक वनश्री कुर्वेती का योगदान रहा।

शिकायतें आई तो नालों की सफाई के लिए पहुंचे कर्मचारी

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए वार्डों में चलाया सफाई अभियान

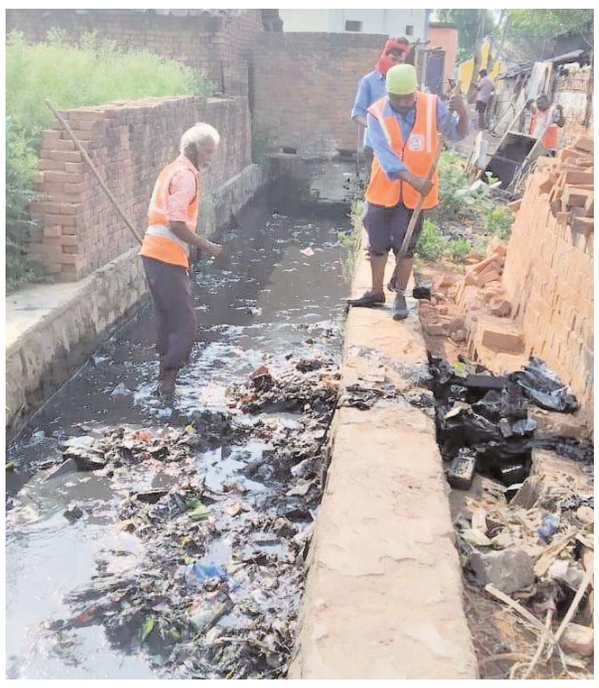

कटनी। कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण हेतु नगर की सफाई व्यवस्था के प्रयास अनवरत जारी है। निगम के स्वच्छता दूतों द्वारा रोजाना नगर के मुख्य मार्गो सहित, चिन्हित सब्जी मंडी स्थलों, वैक्शीनेशन केन्द्रों, टीकाकरण केन्द्र की सफाई की जाकर अस्पतालों से मेडिकल वेस्ट के उठाव का कार्य किया जाकर नगर को स्वच्छ एवं संक्रमण मुक्त रखने के प्रयास दो पालियों के माध्यम से किये जा रहे है।

प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि निगमायुक्त सत्येन्द्र सिंह धाकरे के निर्देशन में निगम के स्वच्छता दूतों द्वारा किल कोरोना-3 अभियान को देखते हुए चिन्हित चारों जोन कार्यालय एवं परिसर के आसपास की सफाई सहित पाठक वार्ड स्थित सी.एल.पी स्कूल में वैक्सनेशन सेंटर चिन्हित किये जाने पर स्कूल के कक्षों की साफ सफाई एवं पानी से धुलाई की जाकर कीटनाशक दवा का छिडकाव सहित सैनेटाईजेशन का कार्य कराया गया।

रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था के माध्यम से विगत रात्रि माधवनगर के विभिन्न मुख्य मार्गो की सफाई सहित प्रातः 5 बजे से निगम के स्वच्छता दूतों द्वारा टांसपोर्ट नगर पुरैनी स्थित सब्जी मंडी परिसर सहित नगर के अन्य मंडी परिसरों की सफाई सहित बाल गंगाधर तिलक वार्ड स्थित इंदिरा नगर, बस स्टेण्ड परिसर, मिशन चौक, जालपा देवी वार्ड शासकीय उचित मूल्य की राशन दुकान के आसपास सफाई उपरान्त सोशल डिस्टेंसिंग हेतु चूने के गोले बनानें, भीमराव चौक से विवेकानंद चौक, रधुनाथ गंज वार्ड स्थित जैन मंदिर झंडा बाजार गली, नगर की सफाई व्यवस्था के तहत नदीपार स्थित पन्ना मोड पुल से सब्जी मंडी पुल तक गौशाला के पास द्वारका सिटी गेट के पास डिवाईडर की सफाई का कार्य कराया गया। नगर के विभिन्न स्थलों की सार्वजनिक नालियों की सफाई को देखते हुए महात्मा गांधी वार्ड राष्ट्रीय स्कूल हरिजन बस्ती की नालियों, वीर सावरकर वार्ड स्थित पूर्व पार्षद कैथवास के घर के पीछे, कावसजी वार्ड के भट्ठा मोहल्ला मलिन वंशकार बस्ती के नाले सहित अन्य स्थलों की नालियों, भीमराव चौक अग्रवाल के बगल वाली नाली सहित नगर के अन्य स्थलों पर नाले, नालियों की सफाई का कार्य किया गया।

न्यूनतम मूल्य में पाएं अधिकतम लाभ

यश भारत

कलर क्लासीफाइड

1 दिन - 150/-
3 दिन - 250/-
7 दिन - 500/-
15 दिन - 1200/-
30 दिन - 1800/-

साईज- 5x1

आवश्यकता, खरीदना-बेचना
अपने व्यापार को बढ़ावा दें

बुकिंग हेतु संपर्क करें

यश भारत
कचहरी चौक, कटनी

फोनः- 07622-230033
Email :- katni@yashbharat.com

हॉस्पिटल के खिलाफ एफआईआर से कटनी में हड़कम्प

यशभारत की खबर का असर, निजी अस्पतालों में कोरोना मरीजों के इलाज में लापरवाही पर अब होगी कार्रवाई

यश भारत खबर का असर

ऑक्सीजन की कमी से हो गई थी 5 कोरोना मरीजों की मौत, जांच में पाई गई कमियां

कटनी। यशभारत की खबरों और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा राज्य सरकार को घेरने के बाद आखिरकार जबलपुर के गैलेक्सी हॉस्पिटल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी हो गए हैं। विगत 23 अप्रैल को 5 मरीजों की ऑक्सीजन की कमी से मौत के मामले में जांच समिति ने गैलेक्सी हॉस्पिटल में कोरोना मरीजों के इलाज में लापरवाही सहित अन्य कमियां पाई है। यहां निर्धारित क्षमता से अधिक मरीजों का इलाज किया जा रहा था और मरीजों की देखरेख के लिए उचित इंतजाम भी नहीं थे। इसके अलावा रात्रि में अस्पताल में मैनेजर भी नहीं था। जबलपुर के सीएमएचओ डॉ. मनीष मिश्रा द्वारा जारी किए गए आदेश में गैलेक्सी हॉस्पिटल प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की कार्यवाही प्रस्तावित करने के साथ ही कोविड मरीजों के उपचार के लिए दी गई अनुमति तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेश तक निरस्त करने के आदेश जारी किए हैं। जबलपुर के गैलेक्सी हॉस्पिटल के खिलाफ एफआईआर होने के बाद अब कटनी में भी प्राईवेट अस्पतालों में कोरोना मरीजों के उपचार में बरती जा रही लापरवाही पर प्रशासन कार्यवाही कर सकता है। विदित हो कि विगत 23 अप्रैल को उखरी रोड स्थित गैलेक्सी हॉस्पिटल में भर्ती 5 कोरोना संक्रमित मरीजों की ऑक्सीजन की कमी से मौत हो गई थी। इस घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में हंगामा खड़ा कर दिया था। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस भी पहुंच गई थी और किसी तरह परिजनों को शांत कराया था।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने उठाए थे सवाल

मामले की गूंज राजधानी तक पहुंची और कल रविवार को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इस पूरे मामले में ट्विट के माध्यम से राज्य सरकार को घेरते हुए कहा कि 16 दिन बीत जाने के बाद भी इस मामले की जांच नहीं पूरी नहीं हुई। यह एक गंभीर लापरवाही है। उन्होंने सरकार से पूछा था कि गैलेक्सी अस्पताल में 5 मरीजों की मौत के बाद मामले की जांच 24 घंटे में करने के लिए कहा गया था लेकिन दोषियों के विरूद्ध अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। ट्विट में यह भी कहा गया था कि अस्पताल ने रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से 25 लाख रुपये का दान दिया है। यह संस्था सीधे कलेक्टर के दायरे में होती है। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि जिस अस्पताल के खिलाफ 5 लोगों की मौत की जांच चल रही है, उससे यह दान राशि किन परिस्थितियों में व किस कारण से ली गई। आखिरकार इस मामले में स्वास्थ्य विभाग ने गैलेक्सी हॉस्पिटल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी कर दिए।

रात में मौत, सुबह हंगामा

बताया जाता है कि गैलेक्सी हॉस्पिटल में घटना की रात कोरोना वायरस से संक्रमित 65 मरीजों का उपचार किया जा रहा था। इसी दौरान रात में ऑक्सीजन की कमी होने से 5 मरीजों ने दम तोड़ दिया था। इस खबर से पूरे जबलपुर में हड़कम्प मच गया था। ऑक्सीजन की कमी से देश के अन्य राज्यों के बाद जबलपुर में हुई इस घटना ने निजी अस्पतालों में कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया था। 5 मरीजों की मौत के मामले में जिला प्रशासन द्वारा तत्काल एक जांच कमेटी गठित की गई थी। जांच कमेटी को 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया था लेकिन 15 दिन बीत जाने के बाद भी न तो मामले की जांच पूरी हो पाई और न ही अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ कोई कार्यवाही प्रस्तावित हुई। यश भारत द्वारा इस मामले को लगातार प्रमुखता से प्रकाशित किया गया।

आग में झुलसी किशोरी की मौत

माता-पिता की गैरमौजूदगी में घटना, कारण अज्ञात

कटनी/रीठी। रीठी थाना अंतर्गत ग्राम बरहटा में एक 17 वर्षीय किशोरी की आग में जलने से मौत हो गई। युवती ने आग खुद लगाई या फिर वो किसी हादसे का शिकार हुई। इस बात का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम बरहटा निवासी प्रकाश विश्वकर्मा अपनी पत्नी सविता विश्वकर्मा के साथ तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे। घर में उनकी दो बेटियां 17 वर्षीय रोशनी व 11 वर्षीय मुस्कान अकेली थी। इसीदौरान रोशनी आग में जलने लगी तो 11 वर्षीय मुस्कान ने शोर मचाकर मोहल्ले पड़ोस वालों को बुलाया। वहीं इस बात की जानकारी लगने पर रोशनी के माता-पिता भी वहां पहुंच गए। आग में शत प्रतिशत झुलस चुकी रोशनी को अस्पताल ले जाने की तैयारी शुरू हुई लेकिन इसी बीच उसकी मौत हो गई। जिसके बाद आटो में शव को पीएम के लिए रीठी अस्पताल ले जाया गया। जहां पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

एक साथ उठीं 3 अर्थियां

शोक में डूबा उमरियापान, गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार

कटनी/उमरियापान। उमरियापान में एक ही मोहल्ले में 3 लोगों की मृत्यु के बाद 3 अर्थियां एक साथ उठने से पूरे क्षेत्र सहित पूरे नगर में शोक व्याप्त हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मौजीलाल पौराणिक के सबसे छोटे पुत्र अखिलेश अक्कू पौराणिक 35 वर्ष को तीन चार दिन से बुखार था, जिसका इलाज नगर के डॉ आर सी के यहां चल रहा था। अक्कू पौराणिक का कल रविवार की सुबह अचानक कुछ ज्यादा ही स्वास्थ्य खराब हो गया और सांस लेने में परेशानी हुई तो परिजन सुबह 10 बजे के करीब उमरियापान से जबलुपर लेकर रवाना हुए।

अस्पतालों ने भर्ती करने से किया इनकार

बताया जाता है कि परिजन जबलपुर के आशीष हॉस्पिटिल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने मरीज की हालत देखकर भर्ती करने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद नेशनल हॉस्पिटिल ले जाते समय रास्ते में ही दोपहर 12 से 1 बजे के बीच अक्कू पौराणिक की मौत हो गई। क्षेत्रवासी शव आने का इंतजार कर ही रहे थे कि इसी दौरान दीपू टेंट के पिता सुरेंद्र बर्मन 48 वर्ष का हृदय गति रुकने से निधन हो गया।

झोलाछाप डॉक्टर ने लगाया था इंजेक्शन

बताया जाता है कि परिजन दीपू के पिता सुरेंद्र बर्मन को ढीमरखेड़ा रोड में किसी झोलाछाप डॉक्टर के यहां लेकर गए थे। डॉक्टर ने मरीज को इंजेक्शन लगाया था और घर पहुंचते ही 10 मिनिट के अंदर सुरेंद्र बर्मन का हृदय गति रुकने से निधन हो गया। इसी तरह लखन डुमार बैंड बाजा वाले की मां कुसुम बाई डुमार 75 वर्ष का कुछ दिनों से अस्वस्थ्य चलने के कारण निधन हो गया। एक ही मोहल्ले से 3 अर्थियां उठने के बाद तीनों शवों का बड़े ही गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया है।

आम रास्त बंद करने से इंदिरा नगर में लोग परेशान

कटनी। नगर निगम कटनी के अतिक्रमण विभाग द्वारा मना करने के बावजूद भी इंदिरा नगर गली नंबर 5 में बन्नो रैदास द्वारा बीच सड़क में पत्थर रखकर लोगों का आना जाना बंद कर दिया है। इंदिरा नगर के वार्ड वासी लखन रैदास, सुरेश निषाद, लाला अहिरवार, शुभम अहिरवार, राजा निषाद, रत्नेश चौधरी, उमा रैदास, कल्पना अहिरवार, सुमित्रा देवी निषाद आदि ने नगर निगम प्रशासन से यह मांग की है कि तत्काल बन्नो रैदास के बंद किए हुए रास्ते को चालू किया जाए। रास्ते में रखे पत्थरों को तत्काल हटाया जाए। उसकी शिकायत निवर्तमान वार्ड पार्षद राजकिशोर यादव से भी की। वार्ड पार्षद ने नगर निगम आयुक्त एक एवं अतिक्रमण विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को सूचना देते हुए कार्रवाई करने मांग की है। पार्षद ने कहा कि 17 लाख की लागत से नगर निगम द्वारा यह रोड बनाई गई थी और इस रोड को बीच में खोदकर रोड में ही मकान बनाया जा रहा है।

नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन सप्लाई मामला

दवा कारोबारी और निजी हॉस्पिटल संचालक का गठजोड़

कटनी में भी जांच की मांग

सिटी हॉस्पिटल जबलपुर के संचालक सरबजीत, देवेश और सपन पर प्रकरण दर्ज

कटनी। नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन सप्लाई के मामले में जबलपुर पुलिस ने कल देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए सिटी अस्पताल जबलपुर के संचालक सरबजीत सिंह मोखा, देवेश चौरसिया और सपन जैन पर गंभीर धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। जबलपुर में नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन सप्लाई मामले का भंडाफोड़ होने के बाद अब कटनी में जांच किए जाने की मांग उठने लगी है।

पिछले दो दिनों से यह मामला जबलपुर में सुर्खियों में था। एक तरफ पूरा देश कोरोना संक्रमण से जूझ रहा था तो कतिपय लोगों ने इस महामारी के दौरान आपदा को अवसर बना लिया था और नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन से लाखों रूपए का मुनाफा कमा रहे थे। गुजरात के मोरबी शहर में जब पुलिस ने नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बनाने वाले गिरोह का पदार्फाश किया तो इसके तार जबलपुर से जुड़ गए। गुजरात क्राइम ब्रांच की टीम ने जबलपुर में अधारताल पुलिस की मदद से आशानगर अधारताल निवासी सपन उर्फ सोनू जैन को गिरफ्तार किया तो और उससे कड़ाई से पूछताछ की तो कई चौंकाने वाले खुलासे हुए। नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन सप्लाई के मामले में सिटी अस्पताल के संचालक सरबजीत सिंह मोखा का भी कनेक्शन मिला। नगर पुलिस अधीक्षक ओमती आर डी भारद्वाज ने बताया कि सिटी अस्पताल के संचालक सरबजीत सिंह मोखा, देवेश चौरसिया और सपन जैन एवं अन्य पर प्रकरण दर्ज किया गया है। तीनों पर पुलिस ने धारा 274, 275, 308, 420, 120 ए, 53 आपदा प्रबंधन के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

गुजरात में दबिश तो जबलपुर से जुड़े तार

गुजरात के मोरबी शहर से पुलिस ने नकली रेमडेसिविर इंजेक्शन बनाने वाले एक गिरोह का पदार्फाश किया था। इस मामले के तार जब जबलपुर से जुड़े तो गुजरात क्राइम ब्रांच एक टीम गुरुवार की देर रात जबलपुर पहुंची और अधारताल पुलिस की मदद से आशानगर अधारताल निवासी सपन उर्फ सोनू जैन को गिरफ्तार किया। सोनी भगवती फर्म का संचालक है और उसके चाचा की अधारताल और परिवार की एक दुकान मालवीय चौक में है। इस मामले में सिटी अस्पताल की भूमिका को लेकर प्रमुख प्रशासनिक अमले के तीन लोगों से पूछताछ ओमती थाने में चल रही थी। गुजरात पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए सपन जैन से पुलिस को कई महत्पूर्ण साक्ष्य मिले। जिसमे सिटी अस्पताल की भी भूमिका सामने आई। सिटी अस्पताल द्वारा सपन से इंजेक्शन का लेनदेन किया गया है, जहां जीएसटी नंबर के साथ बिल भी देने को कहा गया था।

परिजनों ने कहा-70 लाख लेने थे

परिजनों के अस्पताल पर आरोप लगते ही रेमडेसीवर मामले में भूचाल आ गया। परिजनों का कहना था कि सिटी अस्पताल से सपन को 70 लाख रुपए दवाई के लेने थे। यह मांगने पर हॉस्पिटल संचालक सरबजीत सिंह मोखा ने कहा कि गुजरात से यह इंजेक्शन ले आओ, उसके बाद 50 लाख रुपए मिल जाएंगे, जिसके लिए उसने बकायदा इंजेक्शन करने वाले डीलर का नंबर भी सपन जैन को दिया था। इस मामले की जांच पड़ताल के दौरान पुलिस ने शहर में दवा दुकानों और सपन जैन के चाचा सत्येन्द्र जैन के घर में छापा मारते हुए दो इंजेक्शन भी जप्त किए। इस बात की जांच में जुटी रही कि यह इंजेक्शन कहां से प्राप्त हुए। वहीं दूसरी तरफ भगवती फार्मा का नाम आने के बाद रेमडिसीवर इंजेक्शन मामले की परत धीरे-धीरे खुलती गई, जिसके चलते पुलिस ने दवा बाजार स्थित भगवती फार्मा में भी जांच की।

संक्रमण की दर नीचे मौतों का आंकड़ा बढ़ा

आज भी 15 प्रतिशत रहा पॉजीटिविटी रेट, 702 सेम्पल की रिपोर्ट में 112 पॉजीटिव केस

कटनी। जिले में संक्रमण की दर में आज भी ब्रेक लगा रहा। अब हर दिन 15 प्रतिशत के हिसाब से पॉजीटिव केस मिल रहे हैं। पॉजीटिविटी रेट 20 प्रतिशत से नीचे आने के बाद से जिला चिकित्सालय और कोविड केयर सेंटरों में भी भार कुछकम हुआ है, हालांकि जिले में मौतों का सिलसिला अभी भी जारी है। हर दिन करीब 8 से 10 मौतें हो रही है। इनमे से कुछ की कोरोना से तो कुछ ही अकाल मौत हो रही है। जिले के उमरियापान में कल तीन मौतों के बाद पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त हो गया। इधर पन्ना मोड़ के पास बनाए गए मुक्तिधाम में हर दिन बड़ी संख्या में अंतिम संस्कार किए जा रहे हैं। संक्रमण की दर कम होने से राहत मिली है तो मौतों के आंकड़े भय बढ़ा रहे हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. समीर सिंघई ने बताया कि पिछले 24 घंटे में जिले में 72 सेम्पल की रिपोर्ट में 112 पॉजीटिव केस मिले हैं। जिसमे मेडिकल कॉलेज जबलपुर से मिली 419 सेम्पल की रिपोर्ट में 66 और रेपिड एंटीजन टेस्ट की 283 सेम्पल की रिपोर्ट में 46 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। इस तरह जिले में आज संक्रमण की दर 15 प्रतिशत रही।

जंगल में युवती ने लगाई फांसी

कटनी। बाकल थाना अंतर्गत ग्राम मसंधा से लगे झादा के जंगल में एक 40 वर्षीय महिला के द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गई। इस संबंध में जानकारी के अनुसार ग्राम मसंधा निवासी 40 वर्षीय द्रोपती बाई पति वीरन सिंह गोड़ जंगल में फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम कराते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

एक्सीडेंट में दो की मौत

कटनी। बरही थाना अंतर्गत ग्राम उरदानी में चोट लगने से घायल 20 वर्षीय कुसुम पति धीरज केवट की इलात के दौरान मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम कराते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। इसी तरह बड़वारा थाना क्षेत्र के ग्राम पनसोखर पुलिया के आगे बरही थाना अंतर्गत ग्राम बिचपुरा निवासी 23 वर्षीय मनीष काछी पिता जमुना प्रसाद काछी की एक्सीडेंट से मौत हो गई है। सहायक उप निरीक्षक राम नरेश पाठक ने बताया कि शव का पीएम कराते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

बेवजह घूमने वालों पर एनकेजे पुलिस ने की कार्रवाई

काटे चालान, वसूला जुर्माना, जेल वाहन में भी बैठाया

कटनी। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण की चैन को तोड़ने के लिए जिले में लगाए गए कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन करने पर एनकेजे पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। बेवजह घूमने वालों के खिलाफ पुलिस चालानी कार्रवाई कर जुर्माना राशि भी वसूल रही है। पुलिस द्वारा वाहनों को भी जप्त किया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन करने वालों को जेल वाहन में भी बैठाया जा रहा है। एनकेजे पुलिस की इस तरह की सख्त कार्रवाई से बेवजह शहर में घूमने वालों में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार 9 मई को एनकेजे पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान काटते हुए 35 सौ रुपए का जुर्माना वसूल किया गया है। वहीं बिना मास्क लगाकर घूमते पाए जाने पर 40 लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 44 सौ रुपए का जुर्माना वसूल किया गया है। बिना हेल्मेट के वाहन चलाने पर एक वाहन चालक के खिलाफ चालानी कार्रवाई करते हुए ढाई सौ रुपए का जुर्माना वसूल किया गया है। पुलिस ने बताया कि बेवजह घूमने वालों को जेल वाहन में बैठाया गया है। करीब 20 वाहन में बैठाकर हिदायत दी गई कि वे बेवजह घरों से नहीं निकले। ऐसा करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने 5 वाहन भी जप्त किए हैं, सभी वाहनों को थाना परिसर में खड़ा कराया गया है।

महाशोक

हमारे असाता कर्मों के उदय से हमारे आज्ञाकारी सुपुत्र

श्री चौधरी मनोज कुमार जैन

(अखिल भारतीय तीर्थ क्षेत्र रक्षा कमेटी एवं दिगम्बर जैन महापंचायत कटनी के सदस्य) का

स्वर्गवास दिनांक 26.04.2021 को भोपाल में हो गया है

शांति विधान

दिनांक 11.05.2021 दिन मंगलवार को सुबह होना है। उनकी आत्मा की शांति हेतु और कोरोना महामारी को ध्यान रखते हुए आप सभी से अनुरोध है कि अपने- अपने घरों से सुरक्षित रहकर वहीं से श्रद्धा सुमन अर्पित करें।

:- शोकाकुल :-

चौधरी कंछेदीलाल जैन (पिता), श्रीमती सुनीता जैन (माता), श्रीमती सीमा जैन (पत्नी), (अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महिला परिषद की प्रांतीय चेयर पर्सन), चौधरी मोहित जैन (पुत्र) मान्या जैन (पुत्री), श्रीमती मीना-अशोक जैन (सागर), श्रीमती मनीषा-अनिल जैन (सागर) (बहिन-बहनोई), श्रीमती नत्थी बाई जैन (कटनी) (बुआ), मिट्ठूलाल- ममता जैन (भैया-भाभी) खुशबू, रूचि (भतीजी), कटनी

फर्म- मोहित कलेक्शन कपड़ा बाजार रघुनाथगंज, कटनी, मो. 8989498001

श्रीराम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

आदर्श कॉलोनी, मेन रोड, नई बस्ती, कटनी 483501 (म.प्र.)

फोन : 07622-408444, 409444 मोबा. 8982275111, 8982275222, 8982275333

प्रतिदिन उपलब्ध **डॉ. बलदेव सिंह** MD (GENERAL MEDICINE) फैमली फिजीशियन, पूर्व चिकित्सक अपोलो हॉस्पिटल, हृदय, छाती, गुर्दा एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ

प्रतिदिन उपलब्ध **डॉ. गगन सोनी** BDS डेंटल सर्जन, कटनी के सुप्रसिद्ध, दंत एवं मुख रोग विशेषज्ञ

डॉ. अनुराग खरे — D.ORTHO, DNB, कटनी के सुप्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ

डॉ. कनिका अग्रवाल — MBBS., DDV, पूर्व चिकित्सक नानावटी हॉस्पिटल, मुंबई, त्वचा एवं सौन्दर्य रोग विशेषज्ञ, मंगलवार, गुरूवार, शनिवार को उपलब्ध

डॉ. जाकिर हुसैन — MBBS. MD. DM. मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ, महिने के पहले रविवार को उपलब्ध

डॉ. अनिमेश गुप्ता — MBBS. MD. DM. हृदय रोग विशेषज्ञ, महिने के चौथे शनिवार को उपलब्ध

24x7 दवाईयाँ एम्बुलेंस कैंटीन पार्किंग

हेल्पलाईन नं.8982275111

उपलब्ध विभाग: मेडीसिन विभाग, हृदय रोग विभाग, स्त्री एवं प्रसूति विभाग, दंत रोग विभाग, हड्डी रोग विभाग, त्वचा एवं सौंदर्य विभाग, शिशु रोग विभाग, मस्तिष्क रोग विभाग, ट्रामा विभाग, कैंसर विभाग, फिजियोथेरेपी विभाग, प्लास्टिक एंड कॉस्मेटिक सर्जरी

उपलब्ध सुविधायें: नार्मल डिलेवरी, सीजेरियन डिलेवरी, लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, आई.सी.यू. वार्ड, सेमी. प्रायवेट वार्ड, जनरल वार्ड, मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, हेयर ट्रांसप्लांट

सभी प्रकार की सर्जरी एवं भर्ती की सुविधा उपलब्ध | भर्ती मरीजों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं कचहरी चौक कटनी से प्रकाशित। सम्पादक-श्याम कटारे एवं स्थानीय सम्पादक-आशीष सोनी*। फोन (07622) 406666, 230033, जबलपुर कार्यालय फोन- (0761) 2643333, 2646666 फैक्स (0761) 4084085 डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/ 26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)